मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 12 मई 2026

संवत 2083, जेष्ठ कृष्ण पक्ष 11 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 237 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ लूट का कारोबार बनते प्राइवेट स्कूल

कंगना रनौत फिर दिखाएंगी अपना जलवा ◂◂ 6

18 महीने की मासूम बच्ची का शव मिलने से सनसनी, इलाके में शोक की लहर

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित खोरहा टोली से लापता हुई 18 महीने की मासूम बच्ची आदिति पांडे का शव बरामद होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। बच्ची का शव गाड़ीगांव क्षेत्र के एक बड़े नाले से बरामद किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, वहीं आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। पूरे क्षेत्र में शोक और गम का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, आदिति पांडे रविवार से अपने घर से लापता थी। काफी देर तक बच्ची का कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने सदर थाना पहुंचकर मामले की सूचना पुलिस को दी थी। शिकायत दर्ज होने के बाद रांची पुलिस लगातार बच्ची की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की जा रही थी

और लोगों से भी सहयोग की अपील की गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने बच्ची का सुराग देने वाले व्यक्ति को 50 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा भी की थी। इसके बावजूद बच्ची का कोई पता नहीं चल सका। बाद में घर के समीप मौजूद बड़े नाले की तलाशी के दौरान बच्ची का शव बरामद किया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि घर के पास स्थित बड़ा नाला पहले से ही हादसों का कारण बनता रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि कई बार प्रशासन को नाले की सुरक्षा व्यवस्था और सफाई को लेकर शिकायत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी भी देखी जा रही है।

इधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्ची नाले तक कैसे पहुंची और घटना दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

घटना के बाद इलाके के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि खुले और खतरनाक नालों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

रांची के बार-रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे कर्मचारी

संवाददाता

रांचीः जिले के लालपुर थाना क्षेत्र के करमटोली चौक स्थित लीवी बार एंड रेस्टोरेंट में मंगलवार के अहले सुबह भीषण आग लग गई. आग इतनी भयावाह थी कि जब तक कोई कुछ समझ पाता, पूरा रेस्टोरेंट जलकर खाक हो गया. यह घटना सुबह के करीब चार बजे की है.

आग पर पाया गया काबू : रेस्टोरेंट के मालिक ने बताया कि सुबह करीब चार बजे सूचना मिली कि रेस्टोरेंट में आग लग गई है. सूचना मिलने के बाद लालपुर पुलिस और दमकल वाहन मौके पर पहुंचे. हालांकि तब तक आग भीषण रूप ले चुकी थी. अंदर हालात बहुत खराब हो गए थे.

जिसके चलते फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने मेन गेट तोड़कर आग बुझाना शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर आंशिक रूप से काबू पाया. बाहर भी स्थिति खराब थी. आग की लपटें ट्रांसफार्मर तक पहुंच रही थीं, जिसके बाद पुलिस के सहयोग से बाहर की आग पर भी काबू पा लिया गया.

शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी आग : लीवी बार एंड रेस्टोरेंट में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात आ रही है. बार मालिक ने फिलहाल किसी भी तरह के साजिश से इनकार किया है. इस आगलगी में भारी नुकसान हुआ है. रेस्टोरेंट का किचन, डांस फ्लोर और सारा फर्नीचर जलकर राख हो गया. कुछ कर्मचारी अंदर सोए हुए थे, जिन्होंने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई. रांची के लालपुर थाना प्रभारी रूपेश सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दमकल वाहनों के साथ आग पर काबू पाया गया.

देवघर में एक ज्वेलरी दुकान में लाखों की लूट

दुकानदार को दी गई जान से मारने की धमकी

संवाददाता

देवघरः जिले में एक तरफ पुलिस अपराध नियंत्रण करने के लिए लगातार गस्ती बढ़ा रही है, फिर भी अपराधी अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं. सोमवार देर रात अपराधियों ने एक और घटना को अंजाम दिया है. मोहनपुर थाना इलाके के घोरमाड़ा के पास एक ज्वेलरी दुकान में अपराधियों ने हथियार के बल पर लूट की और दुकानदार को जान से मारने की धमकी भी दी।

घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि रात के करीब 8:30 बजे चार की संख्या में बाइक सवार अपराधी दुकान पर पहुंचे. इसके बाद बंदूक की नोक पर दुकान से लाखों के सोना, ढाई किलो चांदी और करीब बीस हजार रुपए लूट लिए. जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते तब तक अपराधी मौके से फरार हो गए. अपराधियों ने जाते-जाते धमकी भी दी कि यदि कोई उनकी पहचान बताने की कोशिश की तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं. साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है. मोहनपुर थाना प्रभारी सालो हेंब्रम ने बताया कि चार की संख्या में अपराधी दुकान पर पहुंचे थे. दुकान पर सीसीटीवी कैमरा नहीं रहने के कारण अपराधियों की पहचान नहीं हो पा रही है, लेकिन पुलिस सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

थाना प्रभारी सालो हेंब्रम ने बताया कि जांच के दौरान कई अहम सुराग मिले हैं. पुलिस ने दावा किया है कि जल्द से जल्द इस लूट कांड का खुलासा कर सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गुमला में जंगली हाथी का कहर, घरों को किया ध्वस्त, फसलों को भी रौंदा

संवाददाता

गुमला : जिले के भरनो प्रखंड स्थित अमलीया और अंबाटोली गांव में जंगली हाथी के उत्पात से वन्यजीवों में उन्नति का माहौल है। रात के अंधेरे में जंगल से निकलकर गांव पहुंचे एक जंगली हाथी ने एक ग्रामीण के घर को बुरी तरह घुमा दिया। इतना ही नहीं, आसपास के खेतों में लगी सब्जी की खेती को भी रौंदकर बर्बाद कर दिया। घटना के बाद प्रभावित परिवार वन विभाग से लंबित और स्थायी समाधान की मांग कर रहा है।

मकान तोड़ा, चावल खाया, सामान भी किया बर्बाद : जानकारी के अनुसार, बीती रात अमलीया जंगल की ओर से एक जंगली हाथी गांव में घुस आया। हाथी सीधे अम्बाटोली निवासी सुलेंद्र उरांव के घर पहुंचा और मिट्टी के बने उनके मकान को तोड़ना शुरू कर दिया। हाथी ने घर की दीवारों को जोरदार धक्का मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर के अंदर रखा एक बोरा चावल भी हाथी खा गया। दीवार गिरने से घर में रखे बर्तन और अन्य घरेलू सामान भी टूटकर खराब हो गए।

बाल-बाल बची जान : घटना के वक्त सुलेंद्र उरांव घर के अंदर ही मौजूद थे। हाथी को सामने देख उन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाई और दूसरे कमरे में जाकर छिप गए। हाथी के गांव से निकलने के बाद ही वह बाहर निकले। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते वह नहीं भागते, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

खेतों में भी पहुंचाया नुकसान, रातभर जाग रहे लोग : हाथी का कहर सिर्फ घर तक सीमित नहीं रहा। ग्रामीणों के मुताबिक, हाथी ने गांव के आसपास किसानों के खेतों में लगी सब्जियों की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। घटना के बाद गांव में डर का माहौल है और लोग रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस इलाके में पिछले कई महीनों से जंगली हाथियों की आवाजाही बनी हुई है। कभी फसलें बर्बाद हो रही हैं, तो कभी घरों को नुकसान पहुंच रहा है। ऐसे में लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। प्रभावित ग्रामीण सुलेंद्र उरांव ने वन विभाग से जल्द मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही ग्रामीणों ने हाथियों के आतंक से स्थायी समाधान निकालने, नियमित गश्ती बढ़ाने और हाथियों को आबादी वाले इलाकों से दूर रखने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है।

वन विभाग पहुंचा गांव, टॉर्च और पटाखे दिए : घटना की सूचना मिलने के बाद सोमवार को वन विभाग की टीम गांव पहुंची। वनरक्षी अकील अहमद ने प्रभावित परिवार से मुलाकात कर नुकसान का जायजा लिया और उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। सुरक्षा के मद्देनजर विभाग की ओर से ग्रामीणों को टॉर्च और पटाखे भी दिए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर हाथियों को गांव से दूर भगाया जा सके। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करते हुए अपील की गई कि हाथी दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें और किसी भी हालत में हाथी के साथ छेड़छाड़ न करें।

रामगढ़ में फायरिंग, युवक के सीने में लगी गोली, रिम्स रेफर

रामगढ़ : शहर के पारसोतिया इलाके में देर रात गोली चलने की घटना से हडकंप मच गया। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे पहले स्थानीय निजी अस्पताल ले गया, लेकिन हालत ठीक होने पर बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। घायल युवक की पहचान रामगढ़ के बंगाली टोला निवासी अंकित यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गोली उसके सीने में लगी है और गोली शरीर के अंदर ही फंसी होने की आशंका है। परिजन आनन-फानन में उसे रांची रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए रिम्स रांची भेज दिया।

पुलिस जांच में जुटी, सच सामने आना बाकी : घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गोली किस परिस्थिति में चली और इसके पीछे असली कारण क्या है। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस मामले को लेकर चल रही चचाओं पर कुछ भी साफ तौर पर कहना जल्दबाजी होगी। फिलहाल पूरे इलाके में इस घटना को लेकर तनाव और चर्चा का माहौल है।

3 मई को हुई नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द, सीबीआई जांच के आदेश

रांची : देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 को रद्द कर दिया गया है। पेपर लीक और परीक्षा की गोपनीयता पर उठे गंभीर सवालों के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी है। अब परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। नई तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा। यह खबर सामने आते ही लाखों छात्रों और उनके परिवारों में बेचैनी बढ़ गई है। कई छात्र जो परीक्षा देकर राहत महसूस कर रहे थे, अब फिर से तैयारी के दबाव में आ गए हैं।

क्या है पूरा मामला : नीट यूजी 2026 की परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी। इसके बाद राजस्थान में कथित तौर पर एक ऐसे गेस पेपर की चर्चा शुरू हुई, जिसके कई सवाल असली प्रश्नपत्र से मेल खाने के दावे किए गए। मामला बढ़ा तो जांच एजेंसियां सक्रिय हुईं। बताया जा रहा है कि शुरूआती जांच में परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए। इसके बाद सरकार ने परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) ने साफ किया है कि परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। जिन छात्रों ने परीक्षा दी थी, उन्हें फिर से आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। आगे की प्रक्रिया और नई परीक्षा तिथि आधिकारिक तौर पर घोषित की जाएगी।

छात्रों का गुस्सा और तनाव : इस फैसले के बाद छात्रों के बीच मिला-जुला माहौल है। कुछ छात्रों का कहना है कि अगर गड़बड़ी हुई है तो दोबारा परीक्षा सही फैसला है, ताकि मेहनत करने वालों के साथ न्याय हो। वहीं कई छात्र इस बात से परेशान हैं कि उन्हें फिर से उसी मानसिक दबाव से गुजरना होगा। कोचिंग हब और सोशल मीडिया पर भी इस फैसले को लेकर तेज चर्चा शुरू हो गई है। कई छात्र सवाल उठा रहे हैं कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद बार-बार ऐसी घटनाएं कैसे हो जाती हैं। सिर्फ छात्र ही नहीं, अभिभावक भी परेशान हैं। महीनों की तैयारी, खर्च, यात्रा और मानसिक दबाव के बाद फिर से परीक्षा की तैयारी आसान नहीं होगी। खासकर दूरदराज इलाकों के छात्रों के लिए यह फैसला और चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

बलोचिस्तान में 12 मजदूरों की सामूहिक हत्या से कोस्ट गार्ड के खिलाफ गुस्सा

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में 12 मजदूरों की सामूहिक हत्या से तट रक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है। आरोप है कि ग्वादर के कुंतानी और जिवानी इलाके में 11 मई को पाकिस्तान के तट रक्षक बल ने कम से कम 12 बलोच मजदूरों और मछुआरों की जान ले ली। हमले में कुछ लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय नागरिकों और बलोच कार्यकताओं का आरोप है कि पाकिस्तान कोस्ट गार्ड ने निहत्थे बलूच नागरिकों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। यह घटना बलोचिस्तान में चल रहे लंबे संघर्ष और सुरक्षा बलों के मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के बीच हुई है। बलोच छात्र संगठन आजाद के मुख्य प्रवक्ता शोलान बलोच ने कहा कि यह हत्याकांड पाकिस्तान के तटरक्षक बल की बर्बरता का चरम उदाहरण है। काम और रोजी-रोटी की तलाश में निकले लगभग एक दर्जन मजदूरों को मार डाला गया। शोलान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने बलोच नागरिकों को उनके बुनियादी आर्थिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है।उन्हें बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले भी बलोच मजदूरों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल, पुलिस बल, सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों सहित सरकारी अधिकारी इलाके के गरीब बलोच ड्राइवरों और दुकानदारों से जबरन वसूली करते हैं। प्रवक्ता ने राज्य के लोगों से इस घटना के विरोध में आवाज उठाने की अपील की है।

पहाड़ी मंदिर के पीछे बाउंड्री वॉल को लेकर बवाल, युवक लहूलुहान

संवाददाता

रांची : सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में पहाड़ी मंदिर के पीछे बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पहले दोनों पक्षों के बीच निर्माण कार्य को लेकर कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि मारपीट शुरू हो गई। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गंभीर चोट आई है और काफी खून बहने के बाद उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बहस से शुरू हुआ विवाद, फिर शुरू हुई मारपीट : सुखदेवनगर थानेदार सुनील कुमार कुशवाहा के अनुसार पहाड़ी मंदिर के पीछे बाउंड्री वॉल निर्माण का काम चल रहा था। इसी दौरान निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। पहले दोनों ओर से तीखी बहस हुई। आसपास मौजूद लोगों को लगा कि मामला बातचीत से शांत हो जाएगा, लेकिन कुछ ही देर में माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। मारपीट के दौरान राहुल तिवारी नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी, जिससे वह खून से लथपथ हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल राहुल तिवारी को तुरंत सेवा सदन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची मौके पर : घटना की जानकारी मिलते ही सुखदेवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों से जानकारी जुटानी शुरू कर दी है, ताकि विवाद की असली वजह और मारपीट में शामिल लोगों की पहचान की जा सके।

पुलिस ने क्या कहा : सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा ने बताया कि पहाड़ी मंदिर के पीछे बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद मारपीट की घटना सामने आई है। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल इलाके में स्थिति सामान्य और नियंत्रण में है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में ली शपथ

गुवाहाटी : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। मंगलवार को राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। गुवाहाटी के खानापारा स्थित वेटरनरी कॉलेज खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके शपथ लेने के बाद भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर तेल और अजंता नेओग, असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोडो ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल ने उन्हें पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई। असम विधानसभा चुनाव 2026 में राजग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत हासिल की। इसमें भारतीय जनता पार्टी को 82 सीटें मिलीं, जबकि सहयोगी दलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

साल पेड़ में है सरना मां का वास : प्रेमशाही मुंडा

सिल्ली : आदिवासी सरना समाज सिल्ली की ओर से पतराहातु स्कुल मैदान में सरहुल मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।पाहन लक्ष्मण सिंह मुंडा दिलीप मुंडा रामनाथ मुंडा एवं मंगल मुंडा ने उपवास रखकर विधि विधान से साल वृक्ष की पूजा अर्चना हंडिया, मुर्गा एंव अरवा चावल का भोग चढ़ाया. पूजा के बाद धरती माँ को खुश करने के लिए लड़के लड़कियां से लेकर बूढ़े गोल घेरा बनाकर, हाथ में हाथ डालकर मांदर के थाप में खूब थिरके.इस अवसर पर आदिवासी नेता प्रेमशाही मुंडा ने कहा आदिवासी मान्यता में साल के पेड़ में सरना माँ का वास होता है। जिसकी हम आदिवासी सरना समाज पूजा करते है, साल पेड़ काटना पाप माना जाता है पूरा त्योहार यही सिखाता है कि प्रकृति है तो हम हैं। मिलन समारोह का अगुवाई अध्यक्ष समुंदर सिंह मुंडा कोषाध्यक्ष निपेन सिंह मुंडा सचिव विश्वनाथ सिंह युवा अध्यक्ष रांगा सिंह मुंडा ने किया। मौके पर राम रतन सिंह मुंडा मुंचीराम मांझी संतोष मुंडा हेमंत मुंडा वोध मुंडा पंचानन सिंह सिदाम मुंडा नवलकिशोर सिंह मुंडा समेत काफी संख्या में आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

बजरंग दल कर्रा प्रखंड की नई टोली गठित, नितिश चौहान बने प्रखंड संयोजक

कर्रा/खूंटी : बजरंग दल कर्रा प्रखंड की नई टोली का गठन कर दिया गया है। जिला सह संयोजक करमवीर महतो के नेतृत्व में संगठन का पुनर्गठन करते हुए नितिश चौहान को कर्रा प्रखंड संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई टीम में मुकेश यादव, रितेश सिंह और रितिक सिंह को प्रखंड सह संयोजक बनाया गया है। वहीं मोहित महतो को प्रखंड बालोपासना केंद्र प्रमुख, दिनेश महतो को प्रखंड साप्ताहिक मिलन केंद्र प्रमुख, अनिल केशरी को प्रखंड सुरक्षा प्रमुख तथा पवन राठौर को प्रखंड गौरक्षा प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा रितिक सिंह को प्रखंड सह गौरक्षा प्रमुख का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। निखिल साहू को प्रखंड महाविद्यालय छात्र प्रमुख बनाया गया। इस मौके पर जिला सह संयोजक करमवीर महतो ने कहा कि संगठन को ग्रामीण स्तर तक मजबूत करना समय की आवश्यकता है। नई टोली गांवों और महाविद्यालयों में संगठन विस्तार, जनजागरण अभियान, युवा प्रशिक्षण और धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों को गति देने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि समाजहित, गौरक्षा, धर्म जागरण और युवा शक्ति को संगठित करने के उद्देश्य से कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। साथ ही सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए अनुशासन और निष्ठा के साथ दायित्व निभाने का आह्वान किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जिला नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कर्रा प्रखंड के गांव-गांव तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

खूंटी : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की प्रगति को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य अभियान निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने की। बैठक में सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ शोभा किस्पोट्टा, उपाधीक्षक डॉ आनंद किशोर उरांव सहित सभी प्रखंडों से आए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड डाटा प्रबंधक एवं राज्य टीम के सदस्य उपस्थित रहे। राज्य टीम से रश्मि नंदी (बिजनेस एनालिटिक्स आईटी), दिग्विजय कुमार (राज्य कार्यक्रम समन्वयक), अकाय मिंज, मनीर अहमद, ळं३ र३ी' ऋ्झ४ल्ल३िङ्गल्ल के अनूप होरो, अमित कुमार, धनुष टीम की खुशबू आलम, जिला डाटा प्रबंधक श्वेता सिंह तथा जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ उदयन शर्मा मौजूद रहे। बैठक के दौरान विद्यानंद शर्मा पंकज ने अब तक की प्रगति की सराहना करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने एवं तकनीकी बाधाओं को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के प्रत्येक नागरिक का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा कार्ड) बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को कहीं भी आसानी से साझा किया जा सकेगा। साथ ही सभी डॉक्टरों, नर्सों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री (एचपीआर) तथा सरकारी और निजी अस्पतालों का हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (एचएफआर) में पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में मरीजों के पुराने मेडिकल रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से लिंक करने तथा स्वास्थ्य केंद्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसी क्रम में सहिया ऐप की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सभी सहियाओं को आभा कार्ड बनाने का निर्देश देते हुए डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को गांव स्तर तक पहुंचाने पर बल दिया।

चतरा में कलयुगी बेटे और बहू ने मिलकर ली पिता की जान

चतरा : जिले के राजपुर थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ लारालुटुदाग गांव में एक पुत्र और उसकी पत्नी ने मिलकर अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दंपति को गिरफ्तार कर लिया है। घटना रविवार रात करीब 10 बजे की है, जहाँ पारिवारिक विवाद में कुलेश्वर यादव की गला दबाकर और लोहे के पाइप से मारकर हत्या कर दी गई। चतरा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने महज 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी बेटे भोला यादव और बहू पूनम देवी को धर दबोचा। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का पाइप, दो गमछे और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है।

ब्राउन शुगर खरीद-बिक्री करते दो युवक गिरफ्तार

14.52 ग्राम ड्रग्स व नगद बरामद

संवाददाता

चतरा : पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गिद्धौर थाना क्षेत्र के फुटबॉल टांड़ से दो युवकों को अवैध ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 14.52 ग्राम ब्राउन शुगर, एक स्कूटी, 55,500 रुपये नगद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार तस्करों में राहुल कुमार सोनी और आनंद कुमार ठाकुर दोनों ग्राम न्यू कॉलोनी बगीचा, रामगढ़, थाना- रामगढ़, जिला- रामगढ़ के रहने वाले हैं। सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भउसाहेब ने प्रेसवार्ता कर बताया कि चतरा पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के ग्राम गिद्धौर फुटबॉल टांड़ में कुछ व्यक्ति अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना पर मेरे नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने फुटबॉल टांड़ के पास से दो युवकों को अवैध ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में गिद्धौर थाना में दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। छापामारी दल में सिमरिया एसडीपीओ (आईपीएस) नागरगोजे शुभम भउसाहेब, चतरा सदर अंचल विपिन कुमार, गिद्धौर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री और थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने बताया कि कांड में अग्रिम अनुसंधान और छापामारी की जा रही है। नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों की तलाश जारी है।

तेज रफ्तार 16 चक्का चेचिस ट्रक बिजली के पोल तोड़ते हुए 20 फीट नीचे पुलिया पर गिरी

संवाददाता

खूंटी : जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर सोमवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार कुलड़ा नदी के पास तेज रफ्तार से जा रही 16 चक्का चेचिस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे 11 हजार वोल्ट के विद्युत पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का पोल वाहन के अगले हिस्से में फंस गया और हाई टेंशन तार टूटकर सड़क पर बिखर गया।

घटना सोमवार 11 मई की सुबह करीब 5 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद चेचिस सड़क से लगभग 20 फीट नीचे कारो नदी के पुराने पुलिया पर जा गिरी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सड़क पर बिजली के तार गिर जाने से कुछ देर के लिए लोगों की आवाजाही भी प्रभावित हुई।

घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कर दी। विभाग की तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि तारों में करंट प्रवाहित रहता तो जान-माल की भारी क्षति हो सकती थी।

वहीं सूचना मिलने पर तोरपा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त चेचिस को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि हादसे में विद्युत विभाग को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। विभाग के कर्मियों ने कहा है कि वाहन मालिक एवं चालक के खिलाफ लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। लोगों ने प्रशासन से हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।

सिमरिया में रफ्तार का कहर

अज्ञात वाहन से कुचलकर नाना-नाती की मौत, शादी की खुशियां मातम में बदलीं

संवाददाता

चतरा : जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र में एक बार फिर रफ्तार ने दो जिंदगियां लील ली हैं। बगरा स्थित कसारी मोड़ के पास रविवार की देर रात एक अज्ञात वाहन ने लूना सवार नाना और नाती को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। यह हृदयविदारक घटना रविवार रात करीब 10:00 बजे की बताई जाती है। मृतकों की पहचान लातेहार जिले के बरियातू थाना क्षेत्र के जबरा निवासी 60 वर्षीय सुकर प्रजापति और उनके 14 वर्षीय नाती आलोक प्रजापति के रूप में हुई है। आलोक कान्हाचट्टी थाना क्षेत्र के चिरीदिरी गांव का रहने वाला था और अपने नाना के घर आया हुआ था। जानकारी के अनुसार, सुकर प्रजापति अपने नाती के साथ जिरुआखुर्द पंचायत के सलगी गांव में एक रिश्तेदार के घर शादी के रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गए थे। समारोह में खुशियां बांटने के बाद, दोनों अपनी लूना मोटरसाइकिल पर सवार होकर वापस अपने घर जबरा लौट रहे थे। जैसे ही वे सिमरिया के कसारी मोड़ के पास पहुँचे, विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद स्थानीय राहगीरों ने इसकी सूचना सिमरिया थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लिया और कागजी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। सिमरिया पुलिस अब दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर उस कातिल वाहन की पहचान करने में जुटी है जिसने दो हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ दिया। इधर, हादसे की खबर जैसे ही गांव पहुँची, पूरे इलाके में मातम पसर गया। मृतक बुजुर्ग के बड़े बेटे अनुज प्रजापति ने रोते हुए बताया कि उनके पिता और भांजा शादी की पार्टी से लौट रहे थे, तभी यह वज्रपात हुआ। उन्होंने कहा कि उनके घर की माली हालत बेहद दयनीय है और पिता के जाने के बाद परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। परिजनों ने जिला प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।सिमरिया का यह क्षेत्र इन दिनों 'डेथ जोन' बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है, इससे पूर्व भी कई लोग अज्ञात ट्रकों और हाइवा की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। रात के अंधेरे में बेतहाशा दौड़ते भारी वाहनों पर लगाम लगाने में प्रशासन अब तक नाकाम साबित हुआ है, जिसका खामियाजा निर्दोष ग्रामीणों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

प्रतापपुर के महावीर चौक पर रोज लग रहा जाम, स्कूली बच्चे परेशान

प्रवीण सिंह

चतरा : जिले के प्रतापपुर के महावीर चौक के पास इन दिनों प्रतिदिन घंटों जाम लग रहा है। सड़क के दोनों किनारों पर बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह और दोपहर के समय स्थिति सबसे ज्यादा खराब हो जाती है। जाम में फंसकर स्कूली बच्चों, मरीजों और राहगीरों को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि महावीर चौक प्रतापपुर का प्रमुख मार्ग है, जहां से हर दिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। लेकिन सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा सामान फैलाने और ठेला लगाने से सड़क संकरी हो गई है। इसके कारण वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार बाइक और ऑटो चालकों के बीच रास्ता निकालने को लेकर विवाद भी हो जाता है।

स्कूल जाने वाले बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। अभिभावकों ने बताया कि जाम के कारण बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते। वहीं छुट्टी के समय घंटों सड़क पर फंसे रहते हैं। लोगों का कहना है कि कई बार प्रशासन को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल सका। लोगों ने प्रशासन से महावीर चौक के आसपास अतिक्रमण हटाने, सड़क किनारे पार्किंग व्यवस्था बनाने और यातायात नियंत्रण के लिए पुलिस बल तैनात करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक गंभीर घायल, पैर हुआ चकनाचूर

खूंटी : हिट एंड रन का मामला, राहुल सिंह ने दिखाई मानवता, अपनी गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल।

खूंटी जिले में सोमवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में कर्रा रोड निवासी एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना खूंटी-कर्रा मुख्य मार्ग पर स्थित बगरू ईटा फैक्ट्री के पास रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। घायल युवक की पहचान कर्रा रोड निवासी स्वर्गीय बाणेश्वर राम के 27 वर्षीय पुत्र शुभम कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के

अनुसार शुभम कुमार सोमवार रात अपनी स्कूटी से घर लौट रहा था। इसी दौरान बगरू ईटा फैक्ट्री के समीप पीछे से तेज गति में आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि शुभम सड़क पर दूर जा गिरा और उसका दाहिना पैर पूरी तरह टूटकर चकनाचूर हो गया। घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। रात का समय होने और सड़क सुनसान रहने के कारण घायल युवक काफी देर तक सड़क किनारे तड़पता रहा। इसी बीच खूंटी निवासी राहुल सिंह वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े युवक को देखा और बिना देर किए मानवता का परिचय देते हुए अपनी गाड़ी से उसे सदर अस्पताल खूंटी पहुंचाया।

सदर अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा घायल युवक का प्राथमिक इलाज किया जा रहा है। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही खूंटी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

हेमंत सरकार की पहल

नक्सल और अफीम तस्करों पर नकेल कसने के लिए चतरा पुलिस को सौंपी गई 22 हाई स्पीड बाईक

चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने हरी झंडी दिखाकर बाईक को किया रवाना

संवाददाता

चतरा: झारखंड सरकार ने राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिसिंग को आधुनिक बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसी कड़ी में चतरा पुलिस को 22 हाई स्पीड बाईक उपलब्ध करवाई गई है। इन बाइकों का उपयोग घनी आबादी वाले इलाकों और संकीर्ण गलियों में पेट्रोलिंग के लिए किया जाएगा। जहाँ पुलिस जीप नहीं पहुंच सकती। इस निमित चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने सोमवार को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर बाईक को रवाना किया। पत्रकारों से बात करते हुए एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर चतरा जिले को 22 हाई स्पीड बाईक की नई खेप उपलब्ध करवाई गई है। इससे पहले भी 30 पल्सर और 19 फोर व्हीलर उपलब्ध करवाई गई थी। उन्होंने बताया कि अपराध पर अंकुश लगाने व पीपुल्स फ्रेंडली पुलिसिंग और 112 डायल पर रिस्पॉस देने के लिए इसका उपयोग किया जाएगा। ताकि लोगों को त्वरित गति से समाधान मिल सके। साथ ही अपराध व दुर्घटना की सूचना होने पर जल्द से जल्द गंतव्य तक पहुंचा जा सके। कहा कि अभी टाइगर पेट्रोल के रूप में इसका उपयोग किया जाएगा। एसपी ने कहा कि शहर के युवाओं द्वारा अफीम व ड्रग्स का सेवन किया जा रहा है। यह लोग संकरी गलियों में स्कूल और पुरानी बिल्डिंग का सहारा लेते हैं। इसके लिए बिना सायरन वाली बाईक का गोपनीय तरीके से इस्तेमाल किया जाएगा। साथ एंटी नक्सल अभियान में भी बाईक का इस्तेमाल किया जाएगा। बताया कि सभी थाना क्षेत्रों में बाइक का वितरण कर दिया गया है। कहा कि शहरी क्षेत्रों में बाइजर और सायरन युक्त गाड़ियां दी हैं,वहीं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बिना सायरन वाली नार्मल गाड़ियों को भेजा है।

चतरा में भाई ही निकला भाई का कातिल

पुलिस ने सुलझाई अनिष हत्याकांड की गुत्थी, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

चतरा : चतरा पुलिस ने अनिष कुमार हत्याकांड का चौंकाने वाला खुलासा किया है। प्रखंड कार्यालय के समीप मिले शव के मामले में पुलिस की एसआईटी ने मृतक के सगे भाई मनीष कुमार को गिरफ्तार किया है। जिसे दुनिया हादसा समझ रही थी, वह आपसी विवाद में हुई मौत निकली।चतरा एसपी द्वारा गठित एसआईटी ने 500 घंटे के सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर इस गुत्थी को सुलझाया। पूछताछ में आरोपी भाई मनीष ने कबूला कि 6 मार्च की रात नशे में धुत अनिष से उसकी धक्का-मुक्की हुई, जिससे वह सीढ़ियों से नीचे गिर गया। भाई को मृत देख

मनीष ने इसे दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को शौचालय की टंकी के पास छिपा दिया था।आरोपी मनीष का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है। सदर एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व वाली टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए कलयुगी भाई को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

भाजपा का प्रदर्शन राजनीतिक पाखंड : लाल किशोर

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने धनबाद में भाजपा द्वारा किए गए प्रदर्शन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने इसे भाजपा का राजनीतिक पाखंड करार देते हुए कहा कि जो दल वर्षों तक सत्ता में रहकर राज्य की बुनियादी समस्याओं को हल नहीं कर सका, वह आज जनता को गुमराह करने के लिए सड़कों पर मटका फोड़ रहा है।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि बाबूलाल मरांडी को यह याद रखना चाहिए कि राज्य में सबसे लंबे समय तक भाजपा की सरकारें रही हैं। धनबाद का जो जल संकट आज विकराल रूप में है, वह भाजपा की अदूरदर्शी नीतियों और पाइपलाइन योजनाओं के नाम पर हुए बंदरबांट का परिणाम है। हमारी सरकार तो उन बंद पड़ी और अधूरी योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास कर रही है।

बाबूलाल मरांडी के भ्रष्टाचार के आरोपों पर लाल किशोर नाथ शाहदेव ने पलटवार करते हुए कहा कि केंद्र की नल-जल योजना की हकीकत पूरे देश के सामने है। भाजपा शासित राज्यों में यह योजना भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी है। झारखंड में केंद्र द्वारा आवंटित राशि के वितरण में भेदभाव किया जाता है, फिर भी राज्य सरकार अपने सीमित संसाधनों से हर घर तक पानी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि धनबाद की जनता यह भूली नहीं है कि भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने पिछले वर्षों में उनके लिए क्या किया। जब जनता प्यासी थी, तब इनके विधायक और सांसद सत्ता के सुख में डूबे थे। अब बाबूलाल मरांडी को नदियों से घिरे धनबाद की याद आ रही है। यह प्रदर्शन केवल अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का एक विफल प्रयास है।

राष्ट्र प्रथम के भाव से पीएम के आह्वान को अपनाएं : संजय सेठ

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशवासियों के 7 आह्वान पर कहा कि जब भी वैश्विक स्तर पर युद्ध की परिस्थितियां आई हैं या देश ने युद्धकाल का सामना किया है, प्रधानमंत्री के आग्रह पर देशवासियों ने सदैव ही अपने राष्ट्र प्रथम के भाव का परिचय दिया है। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) के देशों के बीच चल रहे युद्ध को लेकर देशवासियों से 7 आह्वान किए हैं, वह राजनैतिक नहीं बल्कि देशहित में है। आज जब उस युद्ध के कारण पूरी दुनिया में उथल पुथल मचा हुआ है। हर देश की महंगाई चरम पर है, ऐसे में भारत जैसे 140 करोड़ की आबादी वाले देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से स्थिर है। जनता पर कोई अनावश्यक बोझ नहीं पड़ा है।

श्री सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान को हर नागरिक को अपनाना चाहिए। बिना किसी राजनैतिक और वैचारिक प्रतिरोध के हम सबको इसका पालन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तात्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने सभी देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने का आह्वान किया था। देशवासियों ने उनके इस आह्वान को हाथों हाथ लेकर अपने जीवन में शामिल कर लिया था। फिर 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तात्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी देशवासियों पर कई प्रकार के टैक्स लगाए थे। डाक टिकटों पर विशेष टैक्स लगाए गए थे। हर चिट्ठी पर 5 पैसे का विशेष टिकट लगाया जाता था। तब उनकी सरकार ने अत्यधिक आयकर दर 97.5% तक लागू कर दिया था। देश की उस परिस्थिति को देखते हुए, हर देशवासी सरकार के साथ खड़े रहे थे। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशहित में खड़े होने का आह्वान किया है तो तमाम कांग्रेसी और विपक्षी नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं, जो राष्ट्रहित में नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कल ही प्रधानमंत्री ने राष्ट्र प्रथम - कर्तव्य सर्वोपरि का आह्वान किया है ताकि विकसित भारत 2047 के राह कर भारत आगे बढ़ता रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत को सशक्त बनाने के लिए 7 महत्वपूर्ण आह्वान किए हैं, जिसमें वर्क फ्रॉम होम अपनाना, पेट्रोल-डीजल की खपत घटाना, विदेश यात्रा से बचना, स्वदेशी अपनाना, खाद्य तेल का उपयोग सीमित करना, रासायनिक खाद का उपयोग कम कर, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना और सोना खरीदने से परहेज करना शामिल है। जब करोड़ों भारतीय एकजुट होकर ये छोटे-छोटे बदलाव करें, तो आत्मनिर्भर और सशक्त भारत बनाने से कोई नहीं रोक सकता। श्री सेठ ने देशवासियों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान को अपने जीवन में शामिल करें।

बीआईटी में नवाचार और स्वदेशी तकनीक का प्रदर्शन

रांची : बीआईटी मेसरा के इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा ह्यराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026ह्व का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वदेशी तकनीकी प्रगति और नवाचार को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत कैट हॉल में दीप प्रज्वलन और संस्थान प्रार्थना के साथ हुई। स्वागत भाषण आईआईसी के सह-संयोजक डॉ दिलीप कुमार सिंह ने दिया। इसके बाद डीन आरआईई प्रो राजू पोद्दार और पीजी स्टडीज डीन प्रो. संदीप सिंह सोलंकी ने भी अपने विचार रखे।

मुख्य अतिथि एमपी कौशिक ने रक्षा और कृषि क्षेत्र में भारत की तकनीकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पोखरण परमाणु परीक्षण, तेजस लड़ाकू विमान और अग्नि मिसाइल श्रृंखला जैसी उपलब्धियों को भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम में कुलपति इंद्रनील मन्ना ने भारत की परमाणु, अंतरिक्ष और रक्षा क्षमताओं के विकास पर चर्चा की और नवाचार की निरंतरता पर जोर दिया। इसके बाद आर एंड डी भवन में इंटर-स्कूल मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने आधुनिक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीकी मॉडल प्रस्तुत किए।आचार्यकुलम रांची नामकुमह्न ने क्लाइमेट रेजिलिएंट सिटी और ऑर्गन ट्रांसपोर्ट बॉक्स जैसे मॉडल दिखाए।डीएवी गांधी नगर ने स्मार्ट क्लासरूम एनर्जी सेविंग और एआई आधारित सीएवीई सिस्टम प्रस्तुत किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची के छात्रों ने ह्यएग्रीबॉटह्न और ह्यअरुणह्न रोबोट प्रदर्शित किए। अन्य स्कूलों ने स्मार्ट हेलमेट, फायर फाइटर रोबोट, अंडरवाटर सर्विलांस ड्रोन और प्रदूषण नियंत्रण मॉडल जैसे नवाचार दिखाए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन विशेषज्ञ जजों के पैनल द्वारा किया गया, जिसमें कई वैज्ञानिक और शिक्षाविद शामिल थे। आयोजन के सफल संचालन का श्रेय समन्वयकों डॉ अनिंदिता बेरा, आनंद कुमार सिन्हा और डॉ दिलीप कुमार सिंह को दिया गया। विजेताओं में सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल को प्रथम, डीएवी गांधी नगर को द्वितीय और मनन विद्या को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

अबुआ अधिकार मंच ने राज्यपाल सचिवालय को सौंपा ज्ञापन

रांची : अबुआ अधिकार मंच के यूथ एंड स्टूडेंट वेलफेयर इंचार्ज अभिषेक शुक्ला ने राज्यपाल सह कुलाधिपति के प्रधान सचिव को राजभवन सचिवालय में ज्ञापन सौंपा। वहीं झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में उपनिदेशक पद पर कार्यरत विभा पांडे को तत्काल पदमुक्त कर उनके मूल महाविद्यालय वाईएसएनएम कॉलेज, मेदिनीनगर वापस भेजने की मांग की है। अभिषेक शुक्ला ने कहा कि विभा पांडे की नियुक्ति वर्ष 2008 से संबंधित मामले की जांच वर्तमान में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा की जा रही है। ऐसे में जांच लंबित रहने के दौरान उन्हें नीति-निर्माण एवं प्रशासनिक निर्णयों से जुड़े महत्वपूर्ण पद पर बनाए रखना न्यायोचित नहीं है, क्योंकि इससे जांच प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि उपनिदेशक पद के लिए जारी विज्ञापन में ?7000 ग्रेड पे वाले अभ्यर्थियों को ही पात्र माना गया था।

सतत खनन और पारिस्थितिक बहाली विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी व प्रदर्शनी आयोजित

विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चले : राज्यपाल

संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान कोल प्रबंधन (आईआईसीएम) में विज्ञान भारती के तत्वावधान में कोल इंडिया लिमिटेड,आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, सीएसआईआर - सीआईएमएफआर, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से आयोजित ह्लसतत खनन और पारिस्थितिक बहालीह्व विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए कहा कि आज आवश्यकता केवल खनन की नहीं, बल्कि सतत एवं उत्तरदायी खनन की है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ें।

इस अवसर पर राज्यपाल ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस भारत की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता तथा नवाचार की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने वर्ष 1998 में 11 एवं 13 मई को पोखरण में ह्लऑपरेशन शक्तिह्व के अंतर्गत हुए सफल परमाणु परीक्षणों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में भारत ने विश्व मंच पर अपनी वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का परिचय दिया तथा वैश्विक स्तर पर नई पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि उस समय अनेक अंतरराष्ट्रीय चुनौतियाँ एवं प्रतिबंध सामने आए, लेकिन भारत झुका नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प के साथ और अधिक मजबूती से आगे बढ़ा।

राज्यपाल ने कहा कि यह दिवस हमें प्रेरणा देता है कि जब विज्ञान, तकनीक और राष्ट्रीय संकल्प एक साथ आगे बढ़ते हैं, तब भारत असंभव को भी संभव बना देता है। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य रहा है कि उन्हें श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में कार्य करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। अटल जी को स्मरण करते हुए उन्होंने भावुक होकर कहा कि वर्ष 1984 के चुनाव में अटल जी ने बरेली में उनके लिए एक दिन में आठ जनसभाएँ की थीं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकसित भारत 2047, आत्मनिर्भर भारत तथा सतत विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा दिया गयापर्यावरण के लिए जीवनशैली का संदेश प्रकृति और प्रगति के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने वैज्ञानिकों, शोधकताओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने शोध एवं नवाचारों को समाज एवं धरातल से जोड़ें, ताकि विज्ञान और तकनीक का लाभ व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचे।

झारखंड को प्राकृतिक संसाधनों और खनिज संपदा से समृद्ध राज्य बताया : राज्यपाल ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों एवं खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है। यहाँ उपलब्ध कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट एवं यूरेनियम जैसे खनिज देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विश्व जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में ह्लसतत खननह्व भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधन केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर भी हैं। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहाँ विकास भी हो, पर्यावरण भी सुरक्षित रहे, उद्योग भी आगे बढ़े और प्रकृति भी मुस्कुराती रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन जिम्मेदार एवं पर्यावरण-अनुकूल खनन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

आलमगीर आलम को जमानत मिलने पर कांग्रेस ने न्यायपालिका पर जताया भरोसा

रांची : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को माननीय न्यायालय से जमानत मिलने पर पार्टी ने इसे न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास का प्रतीक बताया है। कांग्रेस का कहना है कि वह हमेशा से संविधान, कानून और न्यायपालिका का सम्मान करती रही है और उसे उम्मीद है कि सत्य एवं न्याय की जीत होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा लगातार राजनीतिक द्वेष और एजेंसियों के दुरुपयोग के जरिए विपक्षी नेताओं की छवि को धूमिल करने का प्रयास करती रही है। उन्होंने कहा कि अदालतों के फैसले यह दशार्ते हैं कि लोकतंत्र में अंतिम भरोसा न्यायपालिका पर ही होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के साथ खड़ी रही है। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि किसी व्यक्ति को अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने से पहले ही अपराधी घोषित करना भाजपा की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है। इस बयान को कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा की ओर से जारी किया गया है।

सरकार महंगाई पर जवाब दे : कांग्रेस

रांची : राकेश सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार लगातार बढ़ती महंगाई और आर्थिक बोझ से ध्यान भटकाने के लिए जनता को ह्लत्यागह्व का उपदेश दे रही है।

राकेश सिन्हा ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, जिससे आम आदमी की जिंदगी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जनता को खर्च कम करने की नसीहत देना सरकार की विफलता को छिपाने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि यदि लोग बाजार में खर्च नहीं करेंगे तो अर्थव्यवस्था कमजोर होगी, इसलिए सरकार को जनता की क्रय शक्ति बढ़ाने और रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि लगातार आर्थिक दबाव के बावजूद जनता को राहत क्यों नहीं मिल रही है और सरकार कब इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

मतदाता अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस पूरी तरह सतर्क : दीपिका पांडेय सिंह

रांची : महागामा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मेहरमा प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा सीमानपुर पंचायत के खिरौंधी में बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न बूथों से बड़ी संख्या में बूथ लेवल एजेंट, पंचायत अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी बूथ स्तर तक पहुंचाना, मतदाता सूची में संभावित अनियमितताओं के प्रति संगठन को सजग और सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, त्रुटियों के संशोधन और पात्र मतदाताओं के नाम कटने से रोकने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई।

झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री सह महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में हर वोट की अपनी अहमियत होती है और प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान अधिकार सुरक्षित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रक्फ प्रक्रिया के दौरान संगठन की सजगता ही यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न हटे। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें और यदि किसी भी नागरिक को नाम जोड़ने या संशोधन में कठिनाई हो, तो कांग्रेस संगठन पूरी तत्परता से सहायता प्रदान करे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

अज्ञात पुरूष का शव उम्र करीब–23 वर्ष, उँचाई–करीब 5 फिट 4 ईंच
पहनावा–उजला शर्ट, काला फुल पैंट, नीला जाघिया

उपरोक्त अज्ञात पुरूष का शव जगरनाथपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत साई मंदिर जाने वाली सड़क आनी टोली के पीछे पानी भरे गढ्ढे से बरामद किया गया था। शव की पहचान अबतक नहीं हो सकी है। जिसके संबंध में जगरनाथपुर थाना काण्ड सं0–340/2020, दिनांक–23.09.2020, धारा– 302/201 भा0 द0वि0 दर्ज किया गया है। इनकी पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि आपको इस पुरूष के शव के बारे में जानकारी हो तो वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय रॉंची में या संबंधित थाना या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक हटिया, रॉंची। –9431706143
थाना प्रभारी जगरनाथपुर, रॉंची। –9431706169

वरीय पुलिस अधीक्षक,
रॉंची

PR 379502 Police(26-27).D

झारखण्ड सरकार
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला
दूरभाष- 06524–223092,(मो0) 9431706376
E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता के समय उम्र–25, वर्तमान उम्र– 30 वर्ष, उचाई–करीब 5 फीट, चेहरा– साधारण, बाल– काला, पहनावा– सलवार सूट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता पीड़िता माह जनवरी वर्ष 2022 से लापता है। पीड़िता की बरामदगी हेतु पीड़िता सावित्री कुमारी, लापता के समय उम्र–25, वर्तमान उम्र–30 वर्ष, पति–महादेव लोहरा, माता–जिरा लोहराईन, सा0–सुरसा, थाना–पुरसो, जिला–गुमला (झारखण्ड) जिसके संबंध में पुरसो थाना सन्हा सं0–479/2022, दिनांक–26.07.2022 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना का सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़की कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें। Email ID (sp-gumla@jhpolice.gov.in)

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला। 9471182113
2. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी गुमला – 9431706202
3. थाना प्रभारी, पुरसो – 9631029793

पुलिस अधीक्षक,
गुमला

PR 379518 Police Wireless Headquarter (26-27)_D

डीसी ने उपलब्ध कराई इलेक्ट्रिक ट्राईसाईकिल,दिव्यांग के चेहरे पर लौटी मुस्कान

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के जनता दरबार में एक बार फिर संवेदनशील प्रशासनिक कार्यशैली की मिसाल देखने को मिली। मंजूनाथ भजन्त्री ने एक दिव्यांग युवक की समस्या का त्वरित समाधान करते हुए उसे इलेक्ट्रिक ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराई।

रांची के रहनेवाले शाहनवाज आलम, जो अपने पैरों से चलने में असमर्थ हैं, हाथों के सहारे जनता दरबार पहुंचे थे। उन्होंने उपायुक्त के समक्ष अपनी पीड़ा और दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को साझा किया। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उनके प्रमाण-पत्रों की जांच कराई और कुछ ही देर में शाहनवाज को इलेक्ट्रिक ट्राईसाईकिल उपलब्ध करा दी।

मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण इस पहल में मंजूनाथ भजन्त्री स्वयं शाहनवाज को ट्राईसाईकिल तक लेकर गए और उन्हें कार्यालय परिसर से बाहर तक छोड़ा। हाथों में नई ट्राईसाईकिल और चेहरे पर संतोष एवं खुशी की मुस्कान लिये शाहनवाज अपने घर लौटे।

जनता दरबार में उमड़ी लोगों की भारी भीड़ : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। देर शाम तक उपायुक्त द्वारा लोगों की समस्याएं सुनी गयी। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आये लोगों को प्राथमिकता देते हुए उनकी शिकायतें पहले सुनी गयी। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आंगनबाड़ी सेविकाओं की शिकायत पर उपायुक्त गंभीर : जनता दरबार में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने अनियमित मानदेय भुगतान तथा पोषाहार राशि में अनियमितता की शिकायत उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के समक्ष रखी। सेविकाओं ने बताया कि समय पर भुगतान नहीं होने से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों की नियमानुसार जांच कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाये। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि लाभुकों एवं सेविकाओं से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्लॉट सुधार में देरी पर अंचल अधिकारी को फटकार : सोनाहातू अंचल से आये एक आवेदक ने प्लॉट सुधार से संबंधित लंबित मामले की शिकायत जनता दरबार में की। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मंजूनाथ भजन्त्री ने पाया कि मामले का समय पर निष्पादन नहीं किया गया है। इस पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने संबंधित अंचल अधिकारी को कड़ी फटकार लगायी। उन्होंने निर्देश दिया कि प्लॉट सुधार से संबंधित सभी लंबित मामलों का निष्पादन एक महीने के भीतर सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के खिलाफ आरोप पत्र गठित किया जायेगा।

कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जे की शिकायत पर जांच के आदेश : माण्डर अंचल के एक आवेदक ने महुआजाड़ी मौजा स्थित कब्रिस्तान की जमीन पर एक पुलिसकर्मी द्वारा कब्जा करने की शिकायत जनता दरबार में की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने तत्काल जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी अंचल अधिकारियों को फिर से चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यदि किसी क्षेत्र में सरकारी भूमि पर कब्जा पाया जाता है, तो संबंधित अंचल अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

लंबित भूमि अधिग्रहण मुआवजा भुगतान में तेजी लाने का निर्देश : जनता दरबार में भूमि अधिग्रहण के बाद लंबित मुआवजा भुगतान से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। आवेदकों ने बताया कि लंबे समय से मुआवजा राशि नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले पर संज्ञान लेते हुए जिमंजूनाथ भजन्त्री द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को एनएचएआई से समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र मुआवजा राशि भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने एक बार फिर दोहराया कि प्रशासन और आम जनता के बीच किसी प्रकार की दूरी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान अंचल एवं प्रखंड कार्यालय स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाये।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION, CHATRA

e-Procurement Tender Notice

Tender Reference No. WRD/MID/CHATRA/F2-01/2026-27 Date:- 11.05.2026

1	Date of publication of Tender on website	20.05.2026 at 2.00 pm
2	Last date/Time for submission of Bids	04.06.2026 at 5.00 pm
3	Date of opening of e-Tender	06.06.2026 at 12.00 pm
4	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Chatra.
5	Contact no. of Procurement officer	06541-223672
6	E-mail of e-procurement Officer	eemidchat-cemr-jhr@nic.in
7	Helpline number of e-Procurement cell	06541-223672
8	Last Date of submission of Bid online/Time for receipt of bids	04.06.2026 Up to 5.00 pm

Sl No.	Group No.	Name of Scheme	Estimated Cost (in Lakh)	Time of Completion
1	1	Renovation of Ganesh Aahar, Block-Pratappur, Dist.-Chatra. (Gr.No.-01)	4949800.00	11 Months
2	2	Renovation Murwe M.I. Scheme, Block-Simaria, Dist.-Chatra. (Gr.No.-02)	3681300.00	11 Months
3	3	Renovation of Budhanchak Aahar, Block-Hunterganj, Dist.-Chatra. (Gr.No.-03)	4986900.00	11 Months

Note:- 1. Only e-Tenders will be accepted.
2. Tender Fee and EMD will be received through online mode only, Bidders can use internet banking facility for faster processing of Tender Fee and EMD. Alternatively, Bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from https://jharkhandtenders.gov.in portal.
3. Refund will only be issued to originated bank account used for the payment of Tender Fee and EMD, so, Bidder are advised NOT to close Bank Accounts used for online payment/(NEFT/RTGS) of tender fee and EMD.
4. No Hard copy/Physical copy is required to be submitted for tender opening/valuation, However, Department may ask original document for verification before award of contract.
5. Estimated value may change.
6. Further details can be seen on website https://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Chatra.

PR 379464 Minor Irrigation(26-27).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सियासत का नया व्याकरण लिखता जनादेश 2026

2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता वापसी की घटना मात्र नहीं हैं बल्कि ये देश की राजनैतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या पारंपरिक वोट बैंक के गणित में उलझने वाला नहीं है बल्कि वह शासन की जवाबदेही, नेतृत्व की विश्वसनीयता और विकास के ठोस धरातल पर अपना निर्णय सुना रहा है। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दक्षिण के तटीय मैदानों तक फैली इस राजनैतिक हलचल का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखाई देता है कि ह्यभगवाह्ण राजनीति का पूर्वी विस्तार अब अपने चरम पर है जबकि दक्षिण में क्षेत्रीय अस्मिता और नए राजनैतिक विजन के बीच एक दिलचस्प संघर्ष छिड़ गया है। ये चुनाव परिणाम उन तमाम राजनैतिक पंडितों के लिए एक सबक हैं, जो केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्यवाणियां करते थे क्योंकि इस बार मतदाताओं ने एक ऐसी ह्यपरिवर्तन की आंधीह्ण का सूत्रपात किया है, जिसने कई दिग्गजों के राजनैतिक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए ह्यमहाभूकंपह्ण को देखे बिना 2026 के इस जनादेश की व्याख्या अधूरी है। लगभग डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस का ढहना और भाजपा का 150 सीटों के पार जाना यह दशार्ता है कि बंगाल की जनता ह्यसिंडिकेट राजह्ण और ह्यकट मनीह्ण की संस्कृति से ऊब चुकी थी। बंगाल का यह परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं बल्कि एक वैचारिक क्रांति है, जहां मतदाताओं ने ह्यबंगाली अस्मिताह्ण के साथ ह्यराष्ट्रीय विकासह्ण के समन्वय को स्वीकार किया है। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने शासन के प्रति जो आक्रोश पैदा किया था, वह ईवीएम के माध्यम से ज्वालामुखी की तरह फटा। भाजपा ने यहां जिस प्रकार से हिंदू मतों का ध्रुवीकरण किया और साथ ही मतुआ एवं राजवंशी समुदायों को अपने पक्ष में संगठित किया, उसने टीएमसी के अभेद्य दुर्ग की ईंट से ईंट बजा दी। ग्रामीण बंगाल में ह्यप्रधानमंत्री आवास योजनाह्ण और ह्यजल जीवन मिशनह्ण जैसी केंद्रीय योजनाओं ने एक नया ह्यलाभार्थी वर्गह्ण तैयार किया, जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की पारदर्शिता को राज्य सरकार की भ्रष्टाचार युक्त मशीनरी से बेहतर पाया। यह चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के उस करिश्मे के अंत का भी संकेत है, जो कभी अपराजेय माना जाता था और अब बंगाल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है।

असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की ह्यहैट्रिकह्ण ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है बल्कि यह उस विश्वास की पुष्टि है, जो जनता ने सरमा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन ने राजनैतिक भूगोल को इस तरह बदला कि घुसपैठ और बाहरी प्रभाव की राजनीति हाशिए पर चली गई और ह्यअसमिया राष्ट्रवादह्ण का नया स्वरूप उभरकर सामने आया। ह्यओरुनोडोईह्ण जैसी योजनाओं ने महिला मतदाताओं के बीच भाजपा को एक ऐसे रक्षक के रूप में स्थापित कर दिया है, जिसके पास उनके दैनिक जीवन की समस्याओं का ठोस समाधान है। असम का जनादेश संदेश देता है कि यदि नेतृत्व के पास विजन हो और वह जमीनी मुद्दों पर आक्रामक तरीके से कार्य करे तो जनता उसे फिर सेवा का अवसर प्रदान करती है। यहां विपक्ष की बिखरी हुई ताकत और कांग्रेस की वैचारिक शून्यता ने भाजपा की राह को और भी आसान बना दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि पूर्वोत्तर में भाजपा अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक स्थायी शक्ति बन चुकी है।

दक्षिण भारत के राजनैतिक परिदृश्य में तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनैतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने द्वंद्व से मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी ह्यतमिलगा वेत्री कड़गमह्ण द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनैतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक ह्यसंकटमोचकह्ण और ह्ययुवा आइकनह्ण के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए ह्यअकेले शेरह्ण की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया। यह परिणाम कमल हासन और विजयकांत जैसे पूर्ववर्ती सितारों की तुलना में कहीं अधिक गहरा है क्योंकि विजय ने ह्यबौद्धिक राजनीतिह्ण के बजाय ह्यजमीनी और मास-अपीलह्ण वाली राजनीति को चुना। तमिलनाडु का यह जनादेश द्रविड़ राजनीति के भविष्य को एक नई दिशा देने वाला है, जहां अब ह्यतीसरी शक्तिह्ण केवल संभावना नहीं बल्कि एक हकीकत बन चुकी है। केरल का चुनाव परिणाम भी कम दिलचस्प नहीं रहा, जहां ह्यएक बार इधर, एक बार उधरह्ण की पारंपरिक रीत ने पिनाराई विजयन की तमाम कोशिशों के बावजूद एलडीएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। यूडीएफ की यह प्रचंड वापसी यह दशार्ती है कि केरल का शिक्षित मतदाता भ्रष्टाचार और राजकोषीय कुप्रबंधन को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था। विभिन्न घोटालों ने एलडीएफ की नैतिक साख को जो चोट पहुंचाई, उसकी भरपाई उसकी जनहितैषी योजनाओं से भी नहीं हो सकी। राहुल गांधी की वायनाड में सक्रियता और ह्यन्यायह्ण जैसी योजनाओं के वादे ने कांग्रेस नीत यूडीएफ के पक्ष में एक सकारात्मक माहौल बनाया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाइयों और मुस्लिमों के बीच उपजे असंतोष ने सत्ता के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया। केरल का मतदाता यह संदेश दे रहा है कि वह किसी भी दल को ह्यटेकन फॉर ग्रांटेडह्ण नहीं लेता और सत्ता की चाबी हमेशा जनता के हाथ में रहती है, जो हर पांच साल में शासन की समीक्षा बड़ी निर्ममता से करती है।

पुडुचेरी जैसे छोटे केंद्रशासित प्रदेश ने भी यह दिखाया कि राजनीति में स्थिरता और केंद्र के साथ तालमेल का कितना महत्व है। एन. रंगासामी की सहज छवि और भाजपा के साथ उनके गठबंधन ने मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि विकास के लिए केंद्र और स्थानीय सरकार का एक पटरी पर होना जरूरी है। पुडुचेरी के परिणामों ने यह साबित किया कि छोटे क्षेत्रों में व्यक्तिगत संपर्क और सामाजिक समीकरण ही हार-जीत की रेखा खींचते हैं। यहां का मतदाता प्रशासनिक गतिरोध के बजाय स्थिरता को अधिक महत्व देता है और यही कारण रहा कि गठबंधन की राजनीति ने यहां अपनी सफलता का परचम फहराया। पांचों राज्यों के परिणामों को यदि एक व्यापक कैनवास पर रखकर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि भारतीय राजनीति अब ह्यपरफॉर्मेंसह्ण के युग में प्रवेश कर चुकी है। अब केवल जातिगत समीकरण बैठाकर या बड़े-बड़े विज्ञापन देकर चुनाव नहीं जीते जा सकते। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत और असम में उसकी वापसी दशार्ती है ।

लूट का कारोबार बनते प्राइवेट स्कूल

स्कूल खुलते ही फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, कॉपियाँ, ट्रांसपोर्ट और अलग-अलग अनिवार्य खर्चों की लंबी सूची अभिभावकों के हाथ में थमा दी जाती है। सबसे बड़ा झटका किताबों के नाम पर लगता है। जिन किताबों की वास्तविक कीमत 50 या 100 रुपये होती है, वे स्कूल द्वारा तय दुकानों पर कई गुना ज्यादा दरों में बेची जाती है।

हर साल अप्रैल और मई का महीना आते ही देशभर के लाखों अभिभावकों के घरों में अदृश्य आर्थिक संकट शुरू हो जाता है। यह संकट किसी बीमारी, बेरोजगारी या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि बच्चों के नए शैक्षणिक सत्र का होता है। स्कूल खुलते ही फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, कॉपियाँ, ट्रांसपोर्ट और अलग-अलग अनिवार्य खर्चों की लंबी सूची अभिभावकों के हाथ में थमा दी जाती है। सबसे बड़ा झटका किताबों के नाम पर लगता है। जिन किताबों की वास्तविक कीमत 50 या 100 रुपये होती है, वे स्कूल द्वारा तय दुकानों पर कई गुना ज्यादा दरों में बेची जाती है। छोटे बच्चों की किताबों का पूरा सेट 7 से 8 हजार रुपये तक पहुँच जाता है। मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए यह सीधी आर्थिक लूट से कम नहीं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

विडंबना यह है कि शिक्षा को अधिकार और सेवा कहा जाता है लेकिन निजी स्कूलों ने इसे खुले बाजार का व्यापार बना दिया है। आज शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना कम और मुनाफा कमाना ज्यादा दिखाई देता है। किताबों के नाम पर जो खेल चल रहा है, वह केवल अभिभावकों की जेब काटने का मामला नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की नैतिक गिरावट का भी बड़ा उदाहरण है।

देश में एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध हैं, जो सस्ती भी हैं और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त भी। सरकार स्वयं समय-समय पर एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को लागू करने की बात करती है। फिर सवाल यह उठता है कि आखिर निजी स्कूल इन किताबों से परहेज क्यों करते हैं? इसका उत्तर सीधा है- कमीशन और मुनाफा। अनेक निजी स्कूल निजी प्रकाशकों के साथ समझौता कर लेते हैं। स्कूल अपने छात्रों पर उन्हीं प्रकाशकों की किताबें थोपते हैं और बदले में मोटा कमीशन प्राप्त करते हैं। यही कारण है कि हर साल नए संस्करण और नए पैटर्न के नाम पर किताबें बदली जाती हैं ताकि पुरानी किताबें किसी और बच्चे के काम न आ सकें।

यह केवल आर्थिक शोषण नहीं बल्कि योजनाबद्ध व्यवसायिक मॉडल है। स्कूल, प्रकाशक और कुछ बुक डिपो मिलकर ऐसा नेटवर्क बना चुके हैं जिसमें अभिभावक केवल ग्राहक बनकर रह गया है। उसे मजबूर किया जाता है कि वह किताबें केवल स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से खरीदे। यदि कोई अभिभावक बाहर से वही किताबें लेने की कोशिश करे तो या तो किताबें उपलब्ध नहीं होतीं या फिर स्कूल के शिक्षक बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि सही किताबें वही हैं जो स्कूल ने बताई हैं।

स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि कई परिवार बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं। एक मजदूर, किसान, छोटा दुकानदार या नौकरीपेशा व्यक्ति जब दो या तीन बच्चों के स्कूल खर्च का हिसाब लगाता है तो उसकी आधी कमाई केवल शिक्षा पर चली जाती है। फीस अलग, किताबें अलग, यूनिफॉर्म अलग और गतिविधियों के नाम पर अलग वसूली। यह कैसी शिक्षा व्यवस्था है जिसमें बच्चा स्कूल जाने से पहले ही परिवार पर आर्थिक बोझ बन जाता है?

सबसे दुखद बात यह है कि इस पूरे खेल में सरकार और प्रशासन अक्सर मूकदर्शक बने रहते हैं। हर साल शिकायतें होती हैं, मीडिया में खबरें आती हैं, कुछ अधिकारी बयान देते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं बदलता। शिक्षा विभाग के नियम स्पष्ट हैं कि स्कूल किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। लेकिन वास्तविकता यह है कि नियम कागजों तक सीमित हैं और निजी स्कूलों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है।

असल समस्या यह है कि शिक्षा अब सेवा नहीं, ब्रांड बन चुकी है। बड़े-बड़े निजी स्कूल खुद को ह्इंटरनेशनलह्ण, ह्वर्ल्ड क्लासह्ण और ह्स्मार्ट एजुकेशनह्ण जैसे नामों से प्रचारित करते हैं। भव्य इमारतें, वातानुकूलित क्लास रूम व बसें और अंग्रेजी का आकर्षण दिखाकर अभिभावकों को प्रभावित किया जाता है। इस चमक-दमक के पीछे शिक्षा का असली उद्देश्य कहीं खो गया है। बच्चा कितना सीख रहा है, यह महत्वपूर्ण नहीं रह गया; महत्वपूर्ण यह हो गया है कि स्कूल कितनी कमाई कर रहा है।

विडंबना यह है कि जिन किताबों को महंगे दामों में बेचा जाता है, उनकी गुणवत्ता हमेशा बेहतर नहीं होती। कई निजी प्रकाशकों की किताबों में भाषा संबंधी गलतियाँ, अनावश्यक सामग्री और रटंत शिक्षा को बढ़ावा देने वाली सामग्री भरी होती है। दूसरी ओर एनसीईआरटी की किताबें विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जाती हैं और उनकी कीमत बेहद कम होती है। इसके बावजूद निजी स्कूल उन्हें अपनाने से बचते हैं क्योंकि वहाँ से मोटा मुनाफा नहीं मिलता।

यह केवल किताबों तक सीमित समस्या नहीं है। यूनिफॉर्म का खेल भी कम खतरनाक नहीं। स्कूल हर साल यूनिफॉर्म का डिजाइन थोड़ा बदल देते हैं ताकि पुराने कपड़े दोबारा इस्तेमाल न हो सके। कुछ स्कूल केवल तय दुकानों से यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव डालते हैं, जहाँ सामान्य कपड़े की कीमत कई गुना बढ़ा दी जाती है। जूते, बैग, बेल्ट, टाई और यहाँ तक कि कॉपियों तक पर स्कूलों की अनिवार्यता लागू होती है।

शिक्षा के इस बाजारीकरण ने सामाजिक असमानता को और गहरा कर दिया है। अमीर परिवार किसी तरह यह खर्च उठा लेते हैं लेकिन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह भारी मानसिक तनाव का कारण बनता है। कई बार माता-पिता अपनी जरूरतें काटकर बच्चों की फीस भरते हैं। कोई माँ अपने गहने गिरवी रखती है, कोई पिता अतिरिक्त मजदूरी करता है, कोई परिवार कर्ज में डूब जाता है। लेकिन शिक्षा माफिया के लिए यह सब केवल बिजनेस है। प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा केवल अमीरों के लिए रह जाएगी? यदि यही स्थिति जारी रही तो भविष्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा गरीबों की पहुँच से पूरी तरह बाहर हो जाएगी। यह खतरनाक संकेत है। संविधान सभी बच्चों को समान शिक्षा का अधिकार देता है लेकिन निजी स्कूलों की मनमानी इस अधिकार को धीरे-धीरे खोखला कर रही है।

सरकार को अब केवल दिशा-निर्देश जारी करने से आगे बढ़ना होगा। सबसे पहले सभी स्कूलों में एनसीईआरटी किताबों को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। यदि अतिरिक्त सामग्री जरूरी हो तो उसकी कीमत और गुणवत्ता पर सरकार का नियंत्रण होना चाहिए। स्कूलों और निजी प्रकाशकों के बीच होने वाले आर्थिक समझौतों की जांच होनी चाहिए। जो स्कूल अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए मजबूर करें, उन पर भारी जुमार्ना और मान्यता रद्द करने जैसी कार्रवाई होनी चाहिए।

इसके साथ ही जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग को नियमित निरीक्षण करने चाहिए। अभिभावकों की शिकायतों के लिए हेल्पलाइन और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। अक्सर अभिभावक डर के कारण खुलकर शिकायत नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें डर रहता है कि कहीं स्कूल उनके बच्चे को मानसिक रूप से परेशान न करे। इसलिए सरकार को अभिभावकों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करनी होगी।

समाज को भी इस मुद्दे पर जागरूक होना होगा। अभिभावकों को संगठित होकर अपनी आवाज उठानी होगी। जब तक लोग अलग-अलग डरते रहेंगे, तब तक स्कूलों की मनमानी चलती रहेगी। शिक्षा कोई लक्जरी वस्तु नहीं बल्कि मौलिक अधिकार है। इसे बाजार की वस्तु बनाना किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा को फिर से सेवा बनाया जाए, व्यापार नहीं। स्कूलों का उद्देश्य बच्चों के भीतर ज्ञान, नैतिकता और सोच विकसित करना होना चाहिए, न कि अभिभावकों की जेब खाली करना। जिस देश में करोड़ों लोग आज भी गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहे हों, वहाँ शिक्षा के नाम पर ऐसी लूट सामाजिक अपराध से कम नहीं। यह समझना होगा कि स्कूल ज्ञान के मंदिर हैं, बाजार नहीं। बच्चों की किताबें सीखने का माध्यम हैं, कमाई का साधन नहीं। जिस दिन शिक्षा व्यवस्था से लालच और कमीशन का यह खेल खत्म होगा, उसी दिन समाज सच मायनों में शिक्षित और संवेदनशील बन पाएगा।

तमिलनाडु: हिंदू बहुसंख्यक राज्य में भी द्रविड़ राजनीति क्यों पड़ती है भारी?

तमिलनाडु को समझने के लिए सबसे पहले उसके राजनीतिक इतिहास को समझना जरूरी है। यह राज्य केवल चुनावी राजनीति से नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक आंदोलन से प्रभावित रहा है। बीसवीं सदी में ई. वी. रामासामी यानी पेरियार के नेतृत्व में द्रविड़ आंदोलन शुरू हुआ।

भारत की राजनीति को अक्सर सरल समीकरण में समझने की कोशिश की जाती है- जहाँ हिंदू आबादी अधिक होगी, वहाँ भारतीय जनता पार्टी स्वतः मजबूत होगी। लेकिन तमिलनाडु इस धारणा को चुनौती देता है। तमिलनाडु में हिंदू आबादी लगभग 85 प्रतिशत से अधिक है। राज्य मंदिरों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, फिर भी भाजपा यहाँ अब तक वैसी राजनीतिक सफलता हासिल नहीं कर पाई जो उसे उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में मिली। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों है? क्या तमिलनाडु की राजनीति धर्म से अलग किसी और आधार पर चलती है? या भाजपा राज्य की

डॉ. प्रियंका सौरभ

सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को अब तक पूरी तरह समझ नहीं पाई?

तमिलनाडु को समझने के लिए सबसे पहले उसके राजनीतिक इतिहास को समझना जरूरी है। यह राज्य केवल चुनावी राजनीति से नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक आंदोलन से प्रभावित रहा है। बीसवीं सदी में ई. वी. रामासामी यानी पेरियार के नेतृत्व में द्रविड़ आंदोलन शुरू हुआ। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत ऊँच-नीच और उत्तर भारतीय प्रभुत्व का विरोध था। पेरियार ने तर्कवाद, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता को राजनीति का केंद्र बनाया। बाद में इसी विचारधारा से डीएमके और एआईएडीएमके जैसी शक्तिशाली पार्टियाँ उभरीं।

यही वह बिंदु है जहाँ तमिलनाडु की राजनीति बाकी भारत से अलग हो जाती है। उत्तर भारत में जहाँ धार्मिक पहचान अक्सर चुनावी राजनीति का बड़ा आधार बनती है, वहीं तमिलनाडु में ह्तमिल पहचानह्ण अधिक महत्वपूर्ण रही। यहाँ भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय गर्व को राजनीति के केंद्र में रखा गया। लोगों के भीतर यह भावना गहरी रही कि दिल्ली की राजनीति तमिल समाज की विशिष्टता को पूरी तरह नहीं समझती। भाजपा को कई बार इसी कारण उत्तर भारतीय पार्टी के रूप में देखा गया।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का इतिहास भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना। 1960 के दशक में जब हिंदी को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की कोशिश हुई, तब तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए। लोगों को लगा कि उनकी भाषा और संस्कृति पर खतरा है। यही आंदोलन द्रविड़ दलों को मजबूत बनाने का कारण बना। आज भी तमिल पहचान और भाषा का मुद्दा यहाँ बेहद संवेदनशील है। भाजपा भले हिंदी थोपने से इनकार करे लेकिन उसके राष्ट्रीय विमर्श को कई लोग हिंदी और उत्तर भारतीय संस्कृति के प्रभाव से जोड़कर देखते हैं।

यह कहना गलत होगा कि तमिलनाडु में हिंदू धर्म का प्रभाव नहीं है। राज्य में प्रसिद्ध मंदिरों की लंबी परंपरा है- मीनाक्षी अम्मन मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और बृहदीश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं बल्कि तमिल संस्कृति और गौरव का हिस्सा भी हैं। लेकिन तमिलनाडु में धार्मिक आस्था का अर्थ हमेशा राजनीतिक हिंदुत्व नहीं रहा। यहाँ लोग मंदिरों में गहरी श्रद्धा रखते हैं लेकिन वोट देते समय क्षेत्रीय हित, सामाजिक न्याय और स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देते हैं।

भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि वह लंबे समय तक तमिलनाडु में मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार नहीं कर पाई। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, गुजरात में नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान समय-समय पर भाजपा की क्षेत्रीय ताकत का चेहरा बने। लेकिन तमिलनाडु में दशकों तक पार्टी के पास ऐसा कोई जनाधार वाला नेता नहीं था जो आम तमिल मतदाता से भावनात्मक जुड़ाव बना सके। हाल के वर्षों में के. अन्नामलाई ने भाजपा को नई ऊर्जा दी है लेकिन अभी भी पार्टी का संगठन राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में उतना मजबूत नहीं जितना द्रविड़ दलों का है।

तमिलनाडु की राजनीति में सामाजिक न्याय और आरक्षण का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है। द्रविड़ आंदोलन ने पिछड़े वर्गों और गैर-ब्राह्मण समुदायों को राजनीतिक शक्ति दी। यही कारण है कि राज्य में सामाजिक न्याय की राजनीति बहुत गहराई से स्थापित हो चुकी है। भाजपा की छवि लंबे समय तक अलग रही है। हालांकि भाजपा ने अब पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों तक पहुँच बढ़ाने की कोशिश की है लेकिन तमिलनाडु में द्रविड़ दलों की सामाजिक पकड़ अब भी ज्यादा मजबूत है।

इसके अलावा तमिलनाडु में कल्याणकारी राजनीति का मॉडल भी दूसरे दलों के लिए चुनौतीपूर्ण है। मुफ्त राशन, महिला सहायता योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ, स्वास्थ्य सेवाएँ और सब्सिडी जैसी योजनाओं ने द्रविड़ दलों को जनता से गहराई से जोड़े रखा। यहाँ मतदाता केवल वैचारिक मुद्दों पर नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सुविधाओं और राज्य सरकार की योजनाओं के आधार पर भी वोट करते हैं। भाजपा का राष्ट्रीय विकास मॉडल लोगों को आकर्षित करता है लेकिन तमिलनाडु में स्थानीय कल्याणकारी राजनीति की पकड़ बहुत मजबूत है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि तमिलनाडु में राजनीति का भावनात्मक केंद्र ह्क्षेत्रीय स्वाभिमानह्ण रहा है। यहाँ लोग खुद को पहले तमिल मानते हैं- हालाँकि इसका अर्थ अलगाववाद नहीं बल्कि सांस्कृतिक गर्व है। भाजपा का राष्ट्रवादी विमर्श कई बार इस क्षेत्रीय अस्मिता से टकराता दिखाई देता है। द्रविड़ दल इस भावना को लगातार मजबूत करते रहे हैं कि वे ह्तमिल हितोंह्ण के असली रक्षक हैं।

यह भी सच है कि भाजपा पूरी तरह कमजोर नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ा है। शहरी क्षेत्रों, शिक्षित युवाओं और कुछ मध्यमवर्गीय समूहों में पार्टी ने अपनी उपस्थिति मजबूत की है। सोशल मीडिया और राष्ट्रवादी मुद्दों के माध्यम से भाजपा ने राज्य में नई राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की है। लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ना और सत्ता तक पहुँचना दोनों अलग बातें हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ दलों का संगठनात्मक नेटवर्क, बूथ स्तर की पकड़ और दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति भाजपा के लिए बड़ी बाधा बनी हुई है।

इसके साथ ही गठबंधन की राजनीति भी एक महत्वपूर्ण कारण है। तमिलनाडु में चुनाव अक्सर बड़े गठबंधनों के आधार पर लड़े जाते हैं। द्रविड़ दलों ने समय-समय पर राष्ट्रीय पार्टियों को अपने साथ जोड़कर चुनावी समीकरण मजबूत किए। भाजपा कभी एआईएडीएमके के साथ रही लेकिन यह गठबंधन उसे व्यापक जनसमर्थन में तब्दील नहीं करा पाया। कई मतदाता भाजपा को सहयोगी पार्टी के रूप में स्वीकार करते हैं लेकिन मुख्य शक्ति के रूप में नहीं।

तमिलनाडु की राजनीति यह भी दिखाती है कि भारत केवल धार्मिक पहचान से नहीं चलता। यहाँ भाषा, संस्कृति, जातीय संरचना, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय भावनाएँ मिलकर राजनीति को आकार देती हैं। यही कारण है कि हिंदू बहुसंख्यक होने के

दौड़ते घोड़े और बहता पानी, ये तस्वीरें बदल सकती हैं आपका गुड फ्यूचर

लिविंग रूप घर का वह हिस्सा होता है, जहां पर सबसे ज्यादा समय बिताया जाता है। लिविंग रूप में ही हम मेहमानों का स्वागत करते हैं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक इस कमरे की दीवारों पर लगी तस्वीरें आपके घर की खूबसूरती को बढ़ाती हैं। साथ ही हमारे जीवन और सोच पर भी गहरा असर डालती हैं। अगर सही दिशा में सही तस्वीर लगी हो तो घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। वहीं गलत दिशा और गलत तस्वीर तनाव की वजह बन सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि वास्तु के मुताबिक लिविंग रूप में कौन सी तस्वीरें लगानी शुभ मानी जाती हैं।

दौड़ते हुए 7 घोड़े की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के मुताबिक सात दौड़ते हुए घोड़ों की तस्वीर को घर में लगाना प्रभावशाली माना गया है। क्योंकि घोड़े गति, ऊर्जा और सफलता के प्रतीक होते हैं। इन तस्वीरों को घर पर लगाने से बिजनेस और करियर के तरक्की के रास्ते खुलते हैं। सात दौड़ते हुए घोड़ों की तस्वीर को हमेशा लिविंग रूम की पूर्वी दीवार पर लगाना चाहिए। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि घोड़ों का मुंह घर के अंदर की ओर होना चाहिए।

घर में पैसों की तंगी न हो, इसके लिए घर में बहते पानी या झरने की तस्वीर लगाना अच्छा होता है। वास्तु के मुताबिक पानी का बहाव पॉजिटिव ऊर्जा और धन के प्रवाह को दशार्ता है। इन तस्वीरों को घर की उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इस दौरान ध्यान रखना चाहिए कि पानी का बहाव घर के बाहर की ओर न हो।

लिविंग रूम में दक्षिण या पश्चिम की दीवार पर लैंडस्केप या पहाड़ों की फोटो लगाना शुभ होता है। पहाड़ आत्मविश्वास और स्थिरता का प्रतीक है। इस तस्वीरों को घर में लगाने से घर के मुखिया को मानसिक मजबूती मिलती है और जीवन में ठहराव आता है।

उगता हुआ सूरज और हरियाली की तस्वीरें

घर में हरे भरे जंगल, उगते सूरज या खिले हुए फूल आदि की तस्वीर लगानी चाहिए। यह मन को शांति देती है। ऐसी तस्वीरों कों घर में लगाने से दस्यों के बीच चिड़चिड़ापन कम होता है और रिश्तों में मधुरता आती है। उगते हुए सूरज की तस्वीर लगाना अच्छी सेहत और नई शुरूआत का संकेत देता है।

न लगाएं ऐसी तस्वीरें

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में कभी भी रोते हुए लोग, युद्ध वाली तस्वीरें, जंगली जानवर, कांटेदार पौधे या डूबते जहाज की तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए। क्योंकि घर में ऐसी तस्वीरें लगाने से घर में उदासी और नकारात्मकता आ सकती है।

टिप्स

क्या आप भी है स्मार्ट फोन के गुलाम?

आजकल ज्यादातर लोग बिजी लाइफस्टाइल में दिनचर्या बीता रहे हैं। ऐसे में डिजिटल डिटॉक्स का शब्द काफी में चर्चा में है। डिजिटल डिटॉक्स का मतलब होता है कि मोबाइल, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स से दूरी बना लेना। डिजिटल दौर में लोग ज्यादातर फोन में व्यस्त रहते हैं। काम के दौरान बार-बार फोन चेक करते रहना। धीरे-धीरे यह आदत लत बन जाती है और फिर बिना वजह भी फोन देखने की इच्छा अधिक हो जाती है। फिर ऐसा समय आता है कि खुद को गैजेट्स से अलग कर पाना काफी मुश्किल होता है। इन्हीं आदतों से छुटकारा पाना डिजिटल डिटॉक्स कहा जाता है। इसका अर्थ यह नहीं कि पूरी तरह से तकनीक को छोड़ देना, बल्कि तय समय तक इससे दूर रहना।

नींद न आने की समस्या हो सकती है दूर

कई रिसर्च से पता चला है कि कम से कम एक घंटा डिजिटल डिटॉक्स करना फायदेमंद होता है। इससे नींद की गुणवत्ता में काफी सुधार आता है। वहीं, शरीर में ज्यादा ऊर्जावन महसूस करता है और रचनात्मकता भी बढ़ती है। लेकिन फिर भी कुछ लोग यह तय नहीं कर पाते हैं कि डिटॉक्स कब और कितनी देर किया जाए। न्यूरोसाइंस के शोध बताते हैं कि मस्तिष्क को फिर से तरोताजा करने के लिए लंबे आराम की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे ब्रेक की जरूरत होती है। जब व्यक्ति कुछ समय के लिए मोबाइल, टीवी और दूसरे डिजिटल गैजेट्स से दूरी बना लेता है, तो दिमाग को सुकून मिलता है। यह विराम केवल मानसिक थकावट को कम नहीं करता, बल्कि मस्तिष्क की नई कोशिकाओं के विकास में भी मददगार साबित होता है। इससे एकाग्रता, समझने की क्षमता और सोचने की शक्ति में सकारात्मक सुधार देखने को मिलता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

नाली निर्माण की योजना बनाई जा रही है जिससे पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सकेगा : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज: उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने पत्रकारों के साथ अनौपचारिक संवाद के दौरान जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, सड़क निर्माण, जल निकासी, स्वास्थ्य व्यवस्था, पर्यटन विकास एवं जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। पत्रकारों द्वारा उठाए गए विभिन्न जनहित से जुड़े प्रश्नों का उपायुक्त ने तथ्यात्मक सकारात्मक जवाब देते हुए प्रशासन की कार्ययोजना साझा की।उपायुक्त ने बताया कि हाल ही में क्षेत्र भ्रमण के दौरान साक्षरता मोड़ से मदनशाही होते हुए सकरीगली जाने वाले मार्ग की जर्जर स्थिति एवं जल जमाव की समस्या संज्ञान में आया। इस संबंध में 13 अप्रैल 2026 को आयोजित दिशा समिति की बैठक में उक्त सड़क को डीएमएफटी अथवा अन्य जिला स्तरीय फंड से दुरुस्त कराने का प्रस्ताव पारित किया गया।आरइओ द्वारा लगभग 3.8 किलोमीटर सड़क व ड्रेन निर्माण हेतु करीब 9 करोड़ रुपये का प्राकलन तैयार किया गया है। प्रशासनिक स्वीकृति के पश्चात इस सप्ताह टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। एनएच से अनापत्ति प्राप्त करने हेतु कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।उपायुक्त ने विस्थापित क्षेत्र स्थित आरएनए कॉलोनी में जल जमाव की समस्या के समाधान हेतु विशेष ड्रेनेज योजना तैयार किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गंगा तट और क्षेत्र में होने के कारण जल निकासी प्रभावित होती है। इसे ध्यान में रखते हुए 'एल 'आकार की नाली निर्माण की योजना बनाई जा रही है।जिससे पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। शहर में पर्यटन व मनोरंजन सुविधाओं के विकास का विषय उठाए जाने पर उपायुक्त ने कहा कि गंगा विहार पार्क का शीघ्र निरीक्षण कर वहां बैठने की व्यवस्था एवं अन्य जनसुविधाओं के विकास की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके अतिरिक्त ह्यवेस्ट टू वंडरह्ल पार्क में सौंदर्यीकरण अन्य जनसुविधाओं के विस्तार पर भी विचार किया जा रहा है।उपायुक्त ने आगामी मानसून को देखते हुए बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान एवं वन महोत्सव आयोजित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर ऐसे स्थलों का चयन किया जाएगा, जहां पौधारोपण सफलतापूर्वक हो सके तथा इसमें जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण को लेकर उपायुक्त ने कहा कि घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने बैरिकेडिंग चेन लगाने एवं अतिरिक्त हाई मास्क लाइट की सुविधाओं के विकास पर विचार किया जा रहा है।ताकि दुर्घटनाओं की रोकथाम के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। मल्टी-मोडल टर्मिनल पोर्ट परियोजना की जानकारी देते हुए उपायुक्त ने बताया कि डेडिकेटेड फीडर रेल लाइन एवं भूमि अधिग्रहण से संबंधित कार्यों को आगामी तीन महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।स्वास्थ्य व्यवस्था पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि अस्पतालों का लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है। डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्र सरकार ने चुनावी फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का किया था दुरुपयोग : बरकत खान

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जहाँ पूरे झारखंड में कांग्रेसी नेताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी,वहीं पूर्व मंत्री के निजी विधानसभा क्षेत्र में भी कार्यकताओं ने जमकर जश्न मनाया।बड़हरवा नगर पंचायत के राजमहल रोड स्थित कांग्रेस के साहिबगंज जिला अध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के कार्यालय परिसर में सैकड़ो की संख्या में कांग्रेसी कार्यकताओं ने आतिशबाजी कर एवं मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई देते हुए जश्न मनाया।इस दौरान जिला अध्यक्ष बरकत खान ने कहा कि ₹सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को साजिश के तहत फसाया ताकि उन्हें राजनीतिक लाभ मिल सके।केंद्र सरकार चुनाव में अपनी सीट बचाने के लिए असंवैधानिक रूप से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को फंसा कर जेल भिजवाया क्योंकि आलमगीर आलम ने अपने राजनैतिक अनुभव और अपने विचारधाराओं से जनता के बीच मजबूत पकड़ बनाई है,और इसी भय से केंद्र सरकार द्वारा षड्यंत्र के तहत उन्हें फसाकर जेल भिजवाने का काम किया गया था।ईडी कोर्ट में आज तक कुछ साबित नही कर पा रही है।और न ही श्री आलम के खिलाफ कोई ठोस सबूत पेश कर पाई है।इसके बावजूद भी जनता के आशीर्वाद से विधायक निसात आलम को भारी मतों से जीत हासिल हुई।आज न्याय के मंदिर में ये साबित हो गया कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम एक ईमानदार नेता है।और हमेशा रहेंगे।कार्यकताओं ने जोर शोर से जेल का ताला टूट गया आलमगीर आलम छूट गया के नारे लगाते हुए खुशी जाहिर की।मौके पर काँग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाबरब्बानी,कमलआर्य,मो.नसीरुद्दीन,इस्तेखार आलम,बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास,नगर अध्यक्ष मनोज घोष,मिथुन मंडल,निताई सरकार,अश्वनी आनंद,अनंत लाल भगत,राकेश महतो,सहित अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित थे।क्या था मामलाकेंद्रीय एजेंसी ईडी ने टेंडर कमीशन के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वर्ष 2024 में की थी गिरफ्तारी।लगभग दो वर्षों से जेल में थे पूर्व मंत्री आलमगीर आलम।इसी मामले में उनके आप्त सचिव संजीव लाल को भी जमानत मिल गई है।

सर्वोच्च न्यायालय ने आलमगीर आलम को जमानत देकर न्याय की जीत पर मुहर लगाई है : अनुकूल मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज:मनी लॉन्ड्रिंग मामले मे झारखण्ड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम पिछले 2सालो से जेल मे बंद है आज सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने की सूचना मिलते ही पूरे झारखंड प्रदेश में खुशी की लहर दौड़ गई।इसी क्रम मे साहेबगंज जिला में कांग्रेस कार्यकताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया।वही साहिबगंज जिला कांग्रेस कार्यलय जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं पटाखे जलाकर खुशी का इजहार किया।इस अवसर पर कार्यकताओं ने ₹आलमगीर आलम जिंदाबाद₹, ₹कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद₹ और ₹सत्यमेव जयते₹ के गगनभेदी नारे लगाए।पूरा कार्यालय परिसर कार्यकताओं नारों और पटाखों की आवाज से गूंज उठा।मौके पर जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कांग्रेस परिवार के लिए ऐतिहासिक है।सर्वोच्च न्यायालय ने आलमगीर आलम को जमानत देकर न्याय की जीत पर मुहर लगाई है।सत्य परेशान हो सकता है,पराजित नहीं।आलमगीर साहब ने हमेशा गरीब,मजलूम और अल्पसंख्यकों की आवाज बुलंद की है।हम सब कार्यकताओं का मनोबल आज दोगुना हो गया है।हम न्यायपालिका का आभार व्यक्त करते हैं और विश्वास दिलाते हैं कि आलमगीर आलम के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी जनता के हक की लड़ाई और मजबूती से लड़ेगी।विरोधियों ने जो साजिश रची थी।जनता अब उसका जवाब देगी।श्री खान ने आगे कहा कि साहिबगंज जिला से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता राँची कूच कर रहे हैं।आलमगीर आलम के जल्द रांची आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।इस अवसर पर प्रदेश कोआर्डिनेशन कमिटी के सदस्य अनुकूल मिश्रा,मुर्शाद अली,मो कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव,उमेश पांडे,सुनील पासवान, ऐनुल हक अंसारी,सरफराज आलम, रिजवान,जामुन दास,सतीश पासवान, मो रियाज अहमद,अली कुरैशी,कार्तिक साह,राम प्रकाश,जाहिद खान, आफताब आलम,मजहर खान एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यकर्ता किसी भी पार्टी का रीढ़ होता है : सुनील

संवाददाता

साहिबगंज:भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आह्वान पर पूरे देश में संगठनात्मक मजबूती हेतु प्रत्येक माह की 1 से 15 तारीख तक जिला स्तर पर बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।इसी क्रम में आज साहिबगंज मुख्यालय में भाजपा साहिबगंज जिला की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।यह बैठक जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव के नेतृत्व में संपन्न हुई।बैठक में संगठन के सुदृढ़ीकरण,आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और कार्यकताओं के बीच समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक की संचालन जिला महामंत्री शलखु सोरेन एवम धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष बिनोद कुमार चौधरी ने किया।बैठक में सभी कार्यकताओं से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने व आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया गया।इस अवसर पर प्रभारी के रूप में दुमका के पूर्व सांसद सह प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सोरेन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।श्री सोरेन ने संबोधित करते हुए कहा की कार्यकर्ता किसी भी पार्टी का रीढ़ होता है,हम सभी को एकजुट होकर जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है।श्री सोरेन ने आगामी सभी कार्यक्रमो में मजबूती के साथ करने के लिए प्रेरित किया।मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृपानाथ मंडल,धर्मेन्द्र कुमार,पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह,प्रदीप अग्रवाल,रामदरश यादव,'उज्जवल मंडल,पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष रामानंद साह,जिला उपाध्यक्ष सोनेलाल ठाकुर,खगेंद्र साह,रमिता तिवारी,जिला मंत्री चांदनी देवी,सागर मंडल,अजय चौधरी,उषा भारती,जिला कार्यालय मंत्री गौतम पंडित,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र मंडल,सभी मंडल अध्यक्ष एवम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने किया न्यायिक इश्तेहार तामिला

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव में सोमवार को बोआरीजोर व बरहरवा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फरार अभियुक्त के घर न्यायिक इश्तेहार तामिला किया।यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की गई। जानकारी के अनुसार बोआरीजोर थाना कांड संख्या 31/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 317 (5)/, 3(5),झारखंड गोवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम 2005 की विभिन्न धाराओं,पशु परिरक्षण नियम 1978 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम1960 के तहत मामला दर्ज है।उक्त मामले में बरहरवा थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव निवासी याकूब शेख,पिता ग्यासुद्दीन शेख को अभियुक्त बनाए गए हैं।पुलिस के अनुसार अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा है।फरारी को देखते हुए न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध इश्तेहार निर्गत किया है।जिसके आलोक में सोमवार को उसके घर पर इश्तेहार तामिला कराया गया।बताया गया। कि इस संबंध में बरहरवा थाना को न्यायालय की ओर से आधिकारिक पत्र भी प्राप्त हुआ था पत्र में अभियुक्त के विरुद्ध इश्तेहार तामिला सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था।ताकि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सके।मौके पर बोआरीजोर थाना के एएसआई संतोष सहा,बरहरवा थाना के एएसआई रफीक अंसारी समेत अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

जेल जाने से मनोबल गिरने के बजाय और ऊपर उठा है : अरशद

- जेल से बाहर आते ही अरशद ने भ्रष्ट पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारियों व पत्थर माफियाओं के खिलाफ छेड़ा अभियान

संवाददाता

साहिबगंज:14 महीने पर जेल से बाहर आने के बाद चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर सोमवार को राज्य की राजधानी रांची पहुंच कर भ्रष्ट पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारियों पत्थर कारोबारियों,माफियाओं व असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया.अरशद ने सोमवार को हाईकोर्ट, लोकायुक्त,सीबीआई,ईडी, एसीबी,जेल आईजी,प्रदुषण बोर्ड,सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग का दौरा कर भ्रष्ट पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारियों,पत्थर कारोबारियों,माफियाओं व असामाजिक तत्वों के खिलाफ जेल जाने से पुर्व व जेल से निकलने के बाद स्पीड पोस्ट से भेजे व दिए आवेदन पर अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी लेने के साथ ही साथ नये तथ्यों से भी अवगत कराया,जहां अरशद को ठोस कार्रवाई का आश्वासन मिला.विदित हो कि साहिबगंज जिला के खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू के द्वारा अरशद के खिलाफ सरकारी काम में बाधा,रंगदारी, भयादोहन,ब्लैकमेल व एससी-एसटी एक्ट के तहत जिरवाबड़ी थाना मे कांड संख्या -104/24 तथा 204/24 दर्ज कराया था,जिसके पश्चात पुलिस ने अरशद को आनन-फानन में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।जहां से अरशद हाल ही में नियमित जमानत पर बाहर आएं हैं।जेल अवधि के दौरान साहिबगंज व मधुपुर जेल में भ्रष्ट जेल-प्रशासन के खिलाफ अरशद द्वारा किए गए आंदोलन भी चर्चा का विषय बना रहा जिस को लेकर अरशद ने करीब 94 बिंदु पर जेल आईजी से सुचना की मांग की है। साथ ही झुठा केस दर्ज कराने वाले डीएमओ कृष्ण कुमार किस्कू,झुठा केस को अनुसंधान व पर्यवेक्षण में सत्य करार देने वाले केस के अनुसंधानकर्ता दीपक दीपक क्रिएशन,लव कुमार व पर्यवेक्षण पदाधिकारी सह साहिबगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने व विभागीय कार्रवाई करने की मांग की है साथ ही जिले में व्याप्त अवैध खनन,परिवहन व स्टोन क्रशर के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की भी मांग की है.अरशद द्वारा सोमवार को उपरोक्त केंद्रीय व राज्य जांच एजेंसी के साथ ही हाईकोर्ट,लोकायुक्त व अन्य राज्य स्तरीय विभाग का दौरा करने से भ्रष्ट पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारियों,पत्थर कारोबारियों माफियाओं व असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है ।तो दूसरी तरफ सामाजिक कार्यकताओं में खुशी की लहर देखी जा रही है।अरशद ने दहाड़ते हुए कहा है कि जेल जाने से उनका मनोबल गिरने के बजाय और ऊपर उठा है व भ्रष्ट पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारियों, पत्थर कारोबारियों, माफियाओं व असामाजिक तत्वों के खिलाफ उनका आंदोलन व संघर्ष अब और तेज होगा व न रोकें हैं न रोकेंग न झुकें हैं न झुकेंगे न डरें हैं न डरेंगे बल्कि उनका संघर्ष अनवरत बिना किसी डर-भय के आगे भी जारी रहेगा.

न्यूज IN ब्रीफ

पूर्व मंत्री आलमगीर को सुप्रीम कोर्ट से मिला जमानत

साहिबगंज: पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर युवा कांग्रेस के राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम के नेतृत्व मे लालबथानी हाटिया के समीप युवा कांग्रेस कार्यालय मे कार्यकर्ताओ के बीच एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं पटाखे फोड़ कर खुशी जाहिर की।इस दौरान कौसर आलम ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है,पराजित नहीं।कांग्रेस पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता आपके साथ चट्टान की तरह खड़ा है।कहा कि आलमगीर आलम के नेतृत्व में हम कांग्रेसजन जनता की आवाज को और अधिक बुलंद करेंगे।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वाहिद,प्रखंड महासचिव मुख्तार अहमद,मो रफत,शहबाज आलम,तबरेज आलम,अनारूल हक,मुस्तफा कमाल आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक दर्ज कर दोनों अभियुक्त को किया गिरफ्तार

साहिबगंज: मुफस्सिल थाना क्षेत्र के किशन प्रसाद रामपुर निवासी सकलदीप मंडल एवं पप्पू मंडल को मुफस्सिल पुलिस ने मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अनीश पांडेय ने बताया कि कुन्ता राय किशन प्रसाद निवासी ने शक्ल दीप मंडल व पप्पू मंडल के ऊपर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया था। पुलिस ने मामला को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिक की दर्ज किया और छानबीन के दौरान दोनों को गिरफ्तार किया गया पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

फरार अपराधी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें : एसडीपीओ

साहिबगंज:एसडीपीओ किशोर तिर्की ने सोमवार को नगर थाना के साथ बैठक किए। बैठक के दौरान उन्होंने थाना में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।साथ ही जल्द से जल्द निष्पादन करने की बात कही उन्होंने कहा कि पुराने मामले में जो भी अपराधी फरार है उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया।एसडीपीओ ने बताया कि लंबे समय से फरार चल रहे आपराधिक तत्वों की सूची तैयार की जा रही है। साथ ही उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।मौके पर नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की रिहाई पर शहर के मोहल्लों में जश्न

साहिबगंज:पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने की खबर मिलते ही साहिबगंज शहर के विभिन्न मोहल्लों में जश्न का माहौल देखने को मिला।समर्थकों और कांग्रेस कार्यकताओं ने जमकर आतिशबाजी की एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।शहर के हबीबपुर,कुलीपाड़ा,एलसी रोड, अंजुमन नगर,मजहर टोला,महादेवगंज, मदनसाही,शाहिद चौक सहित आसपास के कई इलाकों में देर शाम तक पटाखों की आवाज गूंजती रही। लोगों ने ह्लआलमगीर आलम जिंदाबादह्व और ह्लकांग्रेस पार्टी जिंदाबादह्व के नारे लगाकर खुशी मनाई।मौके पर पूर्व यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष एखलाक नदीम ने कहा कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की रिहाई के बाद पूरे जिले में उत्साह का माहौल है।खासकर शहर के विभिन्न मोहल्लों में लोगों ने आतिशबाजी कर और मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की है।उन्होंने कहा कि कार्यकताओं और समर्थकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है तथा लोग इसे न्याय की जीत बता रहे हैं।समर्थकों ने कहा कि आलमगीर आलम हमेशा आम लोगों की आवाज उठाते रहे हैं और उनकी रिहाई से कांग्रेस कार्यकताओं का मनोबल बढ़ा है।

साइबर अपराधियों ने की आठ हजार की ठगी

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के भारतिया कॉलोनी निवासी आकाश शर्मा से साइबर अपराधियों ने पहचान वाले बनकर आठ हजार की ठगी कर ली। पीड़ित आकाश में इसकी शिकायत नगर थाना पुलिस से किया है। आकाश ने बताया कि मेरे मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आया वह अपना नाम वीग्रेद बताया जो मेरे पहचान वाला था लेकिन वह व्यक्ति नहीं था। वह इधर-उधर की बात कर मुझे फसाया और कहा कि कुछ बैंक का समस्या चल रहा है मैं तुम्हारे खाते में 18 हजार भेज रहा हूं उसे तुम मेरे नंबर पर आठ हजार भेज देना । तभी उक्त नंबर से मैसेज आया जो 18 हजार रुपए पेमेंट होने का दिखाए। तब मैने बिना वेरिफिकेशन किये और बिना बैलेंस चेक किये ही उक्त व्यक्ति को आठ हजार भेज दिया। जब आकाश ने उस नंबर पर फोन किया तो उसका मोबाइल स्विच ऑफ बताया उसे शक हुआ तो अपना बैलेंस देखा उसे पता चला कि उसके साथ आठ हजार की ठगी हो गई है। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुई है मामले की।

आठवें दिन भी जारी रहा शेरशाहबादी समाज का महाधरना

साहिबगंज/बरहरवा:शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में चल रहा अनिश्चित कालीन महाधरना सोमवार को आठवें दिन भी जारी रहा।लगातार आठ दिनों से धरनास्थल पर उटे समुदाय के लोगों में प्रशासन की उदासीनता को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है।धरना स्थल पर आज भी बड़ी संख्या में छात्र,युवा और बुजुर्ग मौजूद रहे।आंदोलनकारियों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग की।आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक से बार ज्ञापन सौंपने,वार्ता करने और शांतिपूर्ण आंदोलन के बावजूद प्रशासन कोई ठोस पहल नहीं कर रहा है।समुदाय के लोगों का कहना है कि जब तक शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर स्पष्ट निर्णय नहीं लिया जाता,तब तक आंदोलन जारी रहेगा।मो.अजमाइल ने कहा कि प्रशासन तकनीकी कारणों का हवाला देकर मामले को टालने का प्रयास कर रहा है,जबकि बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थानीय जांच के आधार पर शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है।झारखंड में भी वर्ष 2012 तक इसी प्रक्रिया के तहत प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था।यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।समाज उग्र आंदोलन के लिए मजबूर हो जाएंगे और इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।यह लड़ाई केवल प्रमाण पत्र की नहीं,बल्कि समाज के सम्मान पहचान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की लड़ाई है।मौके पर मो.मुसर्रफ,रबिउल शेख,नाहिद आलम यासीन अख्तर,सब्बीर अहमद,अहमद हुसैन,मो ओबैदुल्ला, इफतेखार आलम,मो हसन,नवाज शरीफ सहित समाज के कई गणमान्य लोग एवं सैकड़ों आंदोलनकारी उपस्थित थे।

आईपीएल 2026 : दिल्ली से मिली हार के बाद बोले श्रेयस अय्यर, गेंदबाजी और फील्डिंग ने हमसे मैच छीन लिया

एजेंसी

धर्मशाला : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मिली हार के लिए पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम की खराब गेंदबाजी और फील्डिंग को जिम्मेदार ठहराया। सोमवार रात धर्मशाला में खेले गए रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने 210 रन बनाने के बावजूद मैच गंवा दिया। अय्यर ने स्वीकार किया कि टीम ने अहम मौकों पर गलतियां कीं, जिसका खामियाजा हार के रूप में भुगतना पड़ा। मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा, ह्लमैं बात को घुमाना नहीं चाहता। हमारी फील्डिंग और गेंदबाजी ने हमें मैच हराया। इस विकेट पर 210 रन 30 रन ज्यादा थे, क्योंकि गेंद सीम हो रही थी और बाउंस भी अनियमित था। उन्होंने आगे कहा कि टीम ने मैच में दिल्ली के बल्लेबाजों के दो अहम कैच छोड़े, जिससे मुकाबला पंजाब के हाथ से निकल गया। गौरतलब है कि पंजाब किंग्स की टीम इस सीजन अब तक सबसे ज्यादा 19 कैच छोड़ चुकी है। युजवेंद्र चहल को एक भी ओवर न देने के फैसले पर अय्यर ने कहा, ह्लउन्हें गेंदबाजी देने का विचार था, लेकिन जिस तरह गेंद सीम हो रही थी, हमें लगा कि अगर तेज गेंदबाज सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करें तो विकेट निकाल सकते हैं। दुर्भाग्य से हम ऐसा नहीं कर सके।ह्व धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 216 रन बनाते हुए 3 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। दिल्ली की ओर से कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। अक्षर पटेल ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं युवा ऑलराउंडर माधव तिवारी ने गेंद और बल्ले दोनों से अहम योगदान देकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। इस जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला के मैदान पर 211 रन का लक्ष्य हासिल कर नया रिकॉर्ड भी बना दिया। यह इस मैदान पर किसी भी टीम द्वारा किया गया सबसे बड़ा सफल रन चेज है।

कंगना रनौत फिर दिखाएंगी

अपना जलवा

अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर देश के नायकों की कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान बुधवार को हो गया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'साधारण लोगों की एक असाधारण कहानी। उस रात की कहानी, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बन गई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता हमारा फर्ज बन गई और हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनसुनी कहानी। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' यह फिल्म उन नायकों की कहानी को सामने लाती है, जिनका जिक्र इतिहास के पन्नों में कहीं दबकर रह गया। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म हथियारों और हिंसा के बजाय मानवीय इरादों और नैतिक साहस पर रोशनी डालती है। फिल्म की कहानी मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों के गलियारों और वार्डों के इर्द-गिर्द घूमती है। 26 नवंबर 2008 की रात जब मुंबई आतंक की आग में जल रही थी, तब कामा अस्पताल के भीतर एक अलग ही जंग लड़ी जा रही थी। बाहर आतंकी गोलियां बरसा रहे थे, लेकिन अस्पताल के अंदर निहत्थे स्टाफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगभग 400 मरीजों और उनके परिजनों की जान बचाई थी। यह फिल्म अस्पताल के हर उस कर्मचारी को सम्मान देती है, जिसमें नर्सें, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल थे। उस रात उनके पास वहां से भाग जाने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने रुककर अपना फर्ज निभाना चुना। फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत नर्स की भूमिका में नजर आएंगी। अपने किरदार और फिल्म के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'अक्सर हम बहादुरी के केवल उन कामों का जश्न मनाते हैं, जो बहुत नाटकीय होते हैं, लेकिन असली हिम्मत अक्सर शांत होती है। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन आम लोगों की कहानी है, जो आतंक और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े रहे। यह देशभक्ति का सबसे सच्चा रूप है, जहां फर्ज कर्म में बदल जाता है। मुझे इस कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है, जो उन लोगों को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने शहर को उसके सबसे मुश्किल पलों में एकजुट रखा। मैं 12 जून को दर्शकों के साथ इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हूं।' पेन स्टूडियोज के प्रमुख और फिल्म के निर्माता जयंतीलाल गडा ने फिल्म के महत्व पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमें मनोज तापड़िया के विजन और कंगना के अभिनय पर पूरा भरोसा है। यह फिल्म देश की उस अटूट भावना को दर्शाती है, जो उसके आम लोगों में बसती है। वहीं, फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने इसे एक भावनात्मक और रोमांचक थ्रिलर बताया। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म डर पर हिम्मत की और अफरा-तफरी पर करुणा की जीत है। 12 जून को दर्शक देखेंगे कि कैसे महिलाओं और आम कर्मचारियों ने मौत के सामने खड़े होकर असाधारण फैसले लिए। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि सच्ची बहादुरी अक्सर सबसे साधारण जगहों से निकलकर आती है। डॉ. जयंतीलाल गाड़ा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स और परम हंस क्रिएशन्स ने मिलकर किया है। इसमें यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड का भी सहयोग है।

बोमन ईरानी सुनाई दिल छू लेने वाली कहानी

मेरी मम्मी मुझे 11 साल की उम्र में ही फिल्में देखने भेज देती थीं

मुंबई वेटरन एक्टर और किस्सागो बोमन ईरानी ने हाल ही में सप्यारल बाउंड की कामयाबी का जश्न मनाया। ये उनका शुरू किया हुआ एक ऐसा इनिशिएटिव है जो राइटर्स को पंख देता है और कहानियों को अपनी आवाज़। आज ये सिर्फ प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि एक ऐसी कम्युनिटी बन चुका है जहां लोग खुद को एक्सप्रेस करना, कॉन्फिडेंस बनाना और स्टोरीटेलिंग के जरिए जुड़ना सीखते हैं। इस खास शाम पर माहौल तब और इमोशनल हो गया जब बोमन ने अपनी जर्नी की जड़ें शेयर कीं -एक ऐसी शुरुआत, जो बहुत सिंपल थी... लेकिन बेहद गहरी, और जिसकी असली हीरो थीं उनकी मां। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मुझे 11 साल की उम्र में ही फिल्मों के बारे में वो सब पता था जो शायद उस उम्र में नहीं पता होना चाहिए! मेरी मां एक दुकानदार थीं, विधवा थीं... दिनभर दुकान में मेहनत करती थीं... लेकिन फिर भी ये पक्का करती थीं कि मैं फिल्में देख रहा हूं। अपने पिता की यादों को फिल्मों से जोड़ते हुए उन्होंने बताया, 'वो मुझे पापा की फेवरेट फिल्मों की कहानियां सुनाती थीं – अपने बचपन की तस्वीर खींचते हुए उन्होंने कहा कि 'ग्रांट रोड पर एक नॉवेल्टी सिनेमा था... वहां हमने बहुत शानदार फिल्में देखीं। मैं तो अपनी दुकान की दीवार से कान लगाकर भी फिल्में सुनता था, क्योंकि थिएटर उससे जुड़ा हुआ था! और 11 साल की उम्र में, मैं एक 70 साल के अंकल को श्वद्य ष्द्वस्र दिखाने ले गया... फिल्म चल रही थी और मैं उनके पास बैठकर हर सीन, हर मोमेंट उन्हें समझा रहा था...

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर

'ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं। बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम घोषित, लियोनेल मेसी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मई (हि.स.)। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 55 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का ऐलान कर दिया है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में अगले महीने शुरू होने वाले इस टूनार्मेंट में अर्जेंटीना खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनेल मेसी को भी स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि मुख्य कोच लियोनेल स्कॉलोनी ने साफ किया है कि वर्ल्ड कप में मेसी के खेलने का अंतिम फैसला पूरी तरह इंटर मियामी के इस स्टार फॉरवर्ड पर निर्भर करेगा। वहीं स्टार खिलाड़ी पाउलो डायबाला को इस प्रारंभिक टीम में जगह नहीं मिली है, जिसने फुटबॉल फैंस को चौंका दिया। अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप जे में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। टीम अपने अभियान की शुरूआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ करेगी।

अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम

गोलकीपर:

एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुस्सो, वाल्टर बेनिटेज, फाकुंडो कैंबेसेस, सैंटियागो बेल्ट्रान

डिफेंडर्स:

अगस्टिन गुए, गोंजालो मोंटियल, नाहुएल मोलिना, निकोलस कापाल्डो, केविन मैक

एलिस्टर, लुकास मार्टिनेज क्वार्टा, मार्कोस सेनेसी, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, जर्मन पेजेला, लियोनार्डो बालेर्दी, क्रिस्टियन रोमेरो, लाउतारो डे लो लो, जायद रोमेरो, फाकुंडो मेडिना, मार्कोस अकुना, निकोलस टैग्लियाफिको, गैब्रियल रोजास

मिडफील्डर्स:

मैक्सिमो पेरोनी, लिआंड्रो परेडेस, गुइडो रोड्रिगेज, अनिबाल मोरेनो, मिल्टन डेलगाडो, एलन वरेला, एजेक्विएल फर्नांडीज, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सेक्विएल पलासियोस, एंजो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, जियोवानी लो सेल्सो, निकोलस डोमिंगेज, एमिलियानो बुएंडिया, वेलेंटिन बार्को

फॉरवर्ड्स:

लियोनेल मेसी, निकोलस पाज, फ्रैंको मस्तांतोनो, थियागो अल्माडा, टोमास अरांडा, निकोलस गोंजालेज, एलेजांद्रो गनाचो, जूलियानो सिमियोने, माटियास सोली, क्लाउडियो एटक्सेफेरी, जियानलुका प्रेस्टिनी, सैंटियागो कास्त्रो, लाउतारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज और माटेओ पेलेग्रिनो।

अगर पेड़ WIFI देते ना, तो इंसान उन्हें रिचार्ज प्लान समझकर बचा के रखते: शहनाज़ गिल

मुंबई एक्ट्रेस शहनाज़ गिल ने हाल ही में ट्री प्लांटेशन ड्राइव को सिर्फ इवेंट नहीं, इमोशन बना दिया। उन्होंने अपने दादा प्यारा सिंह की याद में एक पौधा लगाया – और इस छोटे से कदम में ढेर सारी मोहब्बत छुपी थी। दिल से बात करते हुए शहनाज़ ने ऐसा डायलॉग मारा जो सीधा दिल और दिमाग दोनों में सेव हो गया: 'अगर पेड़ WiFi दे रहा होता ना, तो कोई उसे काटता ही नहीं! लेकिन पेड़ ऑक्सीजन दे रहा है, इसलिए सबको प्रॉब्लम है। फल खाओ, मजे से खाओ... पर जड़ मत काटो। सुनो जी, ध्यान रखो - पेड़ लगाओ, बहुत जरूरी है! और घरवालों को भी बोलो... जो दिनभर पड़ोसियों के साथ 'गॉसिप सम्मेलन' करते हैं, वो मिलकर पेड़ लगाएं। अपना आस-पास ठीक करो, एनवायरनमेंट खुद ही सेट हो जाएगा!' अपनी सिग्नेचर देसी सच्चाई और फुल-ऑन रियल वाइब के साथ, शहनाज़ ने वो सच्चाई बोल दी जो हम सब जानते हैं... पर इग्नोर करते हैं। ऑक्सीजन फ्री है, इसलिए उसकी वैल्यू नहीं समझते – ये सीधा ताना भी था और मीठा रिमाइंडर भी। उनकी बातों और इस प्यारे ट्रिब्यूट ने इस ड्राइव को सिर्फ 'पेड़ लगाने का प्रोग्राम' नहीं रहने दिया, बल्कि एक ऐसा मैसेज बना दिया जो घर-घर तक पहुंचना चाहिए – बदलाव बड़ी स्पीच से नहीं, छोटे-छोटे कामों से शुरू होता है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शहनाज़ गिल जल्द ही इश्कनामा में नजर आने वाली हैं – और फैंस का एक्साइटमेंट तो पहले से ही फुल चार्ज है!

धार्मिक विरासत को विशिष्ट पहचान दे रही उत्तर प्रदेश सरकार, आकार ले रहा 'नाथ कॉरिडोर'

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में अयोध्या, काशी और मथुरा के बाद अब बरेली स्थित 'नाथ परंपरा' से जुड़े धार्मिक स्थलों के विकास को नई रफ्तार मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में राज्य सरकार ने नाथ कॉरिडोर के तहत बरेली के 10 प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों के एकीकृत विकास की महत्वाकांक्षी योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। करीब 60 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से संचालित इन परियोजनाओं का उद्देश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाओं के साथ एक समग्र आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव उपलब्ध कराना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि 'उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को विशिष्ट पहचान देने की दिशा में राज्य सरकार अब नाथ परंपरा से जुड़े भगवान शिव से जुड़े प्राचीन स्थलों को श्रृंखलाबद्ध विकसित

कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत प्रमुख शिव मंदिरों और धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास कराया जा रहा है। 'विकास भी, विरासत भी' की सोच को साकार करते हुए सरकार इन प्राचीन मंदिरों की पौराणिकता और आध्यात्मिक गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विस्तार कर रही है।'

धोपेश्वर, तपेश्वर और वनखंडी नाथ मंदिर

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'बरेली में नाथ कॉरिडोर अंतर्गत प्रमुख धार्मिक स्थलों में प्राथमिकता के आधार पर पर्यटन विकास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत, बरेली के सदर कैंट स्थित 5000 साल प्राचीन श्री धोपेश्वर नाथ मंदिर का पर्यटन विकास 7.74 करोड़ रुपए की लागत से, नगर के जोगी नवादा स्थित द्वापरयुगीन वनखंडी नाथ मंदिर का 5.82 करोड़ रुपए से, त्रिवटी नाथ मंदिर का पर्यटन विकास 06.55 करोड़ रुपए की लागत से और तपेश्वर नाथ मंदिर का पर्यटन विकास 8.36 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है।

अलख नाथ, पशुपति नाथ मंदिर का पर्यटन विकास

इसके अतिरिक्त, नाथ कॉरिडोर अंतर्गत करीब 930 वर्ष पुराने अलख नाथ मंदिर का पर्यटन विकास 11.67 करोड़ रुपए से किया जा रहा है, जिसमें मुख्य द्वार से लेकर वैदिक लाइब्रेरी आदि का निर्माण होगा। नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर के समान ही पीलीभीत बाइपास पर बने श्री पशुपतिनाथ मंदिर का 2 करोड़ 98 लाख से अधिक की राशि से पर्यटन विकास किया जा रहा है। नाथ कॉरिडोर के अहम स्थल श्री तुलसी मठ के पर्यटन विकास पर प्रदेश सरकार की ओर से 9.71 करोड़ रुपए व्यय होंगे।

असम के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं : नितिन गडकरी

एजेंसी

गुवाहाटी : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी ने आज यहां कहा कि असम में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की आधारभूत संरचना परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार राज्य के लोगों के भरोसे पर पूरी तरह खरी उतरेगी और विकास की गति को और तेज करेगी। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गुवाहाटी पहुंचे गडकरी ने संवाददाताओं से कहा कि असम की जनता ने लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे और केंद्र सरकार असम को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय की ओर से ही लगभग दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की योजना तैयार की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से राज्य में सड़क संपर्क, परिवहन व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार लगातार तीसरी बार असम में सत्ता संभालने जा रही है। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले भाजपा और एनडीए विधायक दल की बैठक में हिमंत बिस्व सरमा को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। बैठक में असम गण परिषद तथा बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट सहित सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण से पहले सरमा ने घोषणा की कि रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोड़ो तथा अजंता नेओग मंत्री पद की शपथ लेंगे। साथ ही रंजीत दास को असम विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए एनडीए का उम्मीदवार घोषित किया गया है।

2031 में भी सत्ता में लौटेगी भाजपा, अगले 15 वर्षों तक चलेगी हिमंत सरकार : रंजीत

एजेंसी

गुवाहाटी : असम विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए एनडीए उम्मीदवार रंजीत कुमार दास ने मंगलवार को विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा आगामी 15 वर्षों तक असम में सत्ता में बनी रहेगी। गुवाहाटी में शपथ ग्रहण समारोह से पहले पत्रकारों से बातचीत करते हुए दास ने कहा कि यह असम के लिए एक सौभाग्यपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने एक बार फिर हिमंत बिस्व सरमा को असम के विकास को नई गति देने के लिए चुना है। उन्होंने कहा कि देशभर से लगभग 20 मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति इस समारोह के महत्व को दशार्ती है और यह असम की बढ़ती राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। भाजपा के भविष्य को लेकर भरोसा जताते हुए दास ने दावा किया कि वर्ष 2031 में भी राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली सरकार अगले 15 वर्षों तक राज्य की सेवा करती रहेगी।

विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दास ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन पर जो विश्वास जताया है, उससे वह स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं।

असम की जनता ने विकास के लिए मतदान किया एकनाथ शिंदे ने हिमंत को तीसरे कार्यकाल पर दी बधाई

एजेंसी

गुवाहाटी : असम में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए नामित हिमंत बिस्व सरमा और गठबंधन को ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए इसे विकास की राजनीति पर जनता की मुहर बताया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि असम की जनता ने विकास के मुद्दे पर मतदान किया है। एक वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया और हिमंत बिस्व सरमा तथा उनकी टीम को लगातार तीसरी बार सरकार बनाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और डबल इंजन सरकार के सहयोग से असम की जनता की आकांक्षाएं पूरी होंगी तथा राज्य में विकास की गति और तेज होगी।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी एनडीए की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि देशभर में सकारात्मक ऊर्जा का माहौल है और प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से भाजपा लगातार राज्यों में जीत दर्ज कर रही है। असम गण परिषद के अध्यक्ष अतुल बोरा ने कहा कि जनता ने एनडीए को भारी जनादेश देकर गठबंधन पर अपना विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्ष असम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे और राज्य स्वर्णिम दौर की ओर बढ़ेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी असम की जनता को बधाई देते हुए एनडीए की लगातार तीसरी जीत को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। वहीं, भाजपा नेता और दुलियाजान से निर्वाचित विधायक रामेश्वर तेली ने शपथ ग्रहण समारोह को अपने राजनीतिक जीवन का ऐतिहासिक क्षण बताते हुए पार्टी नेतृत्व और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आज गुवाहाटी में आयोजित हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई केंद्रीय मंत्री तथा एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल हो रहे हैं।

बंगाल में अंतिम व्यक्ति तक आयुष्मान भारत योजना पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शुभेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आज कहा कि राज्य में आयुष्मान भारत योजना को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि ह्लडबल इंजन सरकारह्व केंद्र की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बिना किसी बाधा के लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने ह्यएक्सह्व पर कहा कि वर्षों तक पश्चिम बंगाल के लोग केंद्र सरकार की दूरदर्शी स्वास्थ्य और कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रहे। अब डबल इंजन सरकार के साथ आयुष्मान भारत सहित सभी केंद्रीय योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने का काम सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल अब विकास के रास्ते पर लौट आया है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भी राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू होने पर खुशी जताई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों को अब दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना का लाभ मिलेगा, जो गुणवत्तापूर्ण और सस्ती चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार केंद्रीय योजनाओं के सुचारु क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित करेगी।

हाल ही में शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में ह्यआयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनाह्व लागू करने की घोषणा की थी। इसके तहत राज्य के लोग केंद्र सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ उठा सकेंगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत संचालित इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस अस्पताल उपचार सुविधा उपलब्ध कराना है। यह योजना सितंबर 2018 में शुरू की गई थी।

पटना-गया एनएच-22 पर स्कूली बस और ट्रक की टक्कर में ट्रक ड्राइवर समेत तीन स्कूली बच्चे घायल

एजेंसी

पटना : पटना-गया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-22 के मई हाल्ट के समीप मंगलवार सुबह ट्रक और स्कूली बस के बीच जोरदार टक्कर में ट्रक चालक समेत तीन स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए जहानाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद ट्रक चालक को गंभीर स्थिति में पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) पटना रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक हादसे में शामिल स्कूली बस पब्लिक स्कूल, गया की थी। बस जहानाबाद से करीब 30 बच्चों को लेकर गया जा रही थी। बताया जा रहा है कि मई हाल्ट के पास बस एक बच्ची को चढ़ाने के लिए सड़क किनारे रुकी थी। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गयी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस सड़क के गलत दिशा यानी रॉन्ग साइड में खड़ी थी, जिस कारण यह हादसा हुआ। टक्कर के समय बस पर चढ़ रही बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बच्चों की पहचान मानसी कश्यप, हसीर कादरी और यूसुफ कादरी के रूप में हुई है। वहीं ट्रक चालक अजय कुमार, जो जहानाबाद जिले के घोसी थाना क्षेत्र अंतर्गत सरिसताबाद गांव का निवासी बताया जा रहा है। सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि ट्रक चालक के सिर और शरीर में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके कारण उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना भेजा गया है। वहीं घायल बच्ची मानसी कश्यप के सिर में गंभीर चोट लगी है। उसके परिजन भी उसे बेहतर इलाज के लिए पटना लेकर रवाना हो गए हैं। अन्य घायल बच्चों का इलाज जहानाबाद सदर अस्पताल में जारी है।

इंदौर में पानी की किल्लत पर लोगों का फूटा गुस्सा रहवासियों ने सड़क पर मटके फोड़कर जताया विरोध

– महापौर और निगम अधिकारियों के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

एजेंसी

इंदौर : मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच इंदौर जिले में गहराते जल संकट ने अब जनाक्रोश का रूप ले लिया है। मंगलवार को शहर के विकास नगर इलाके में पानी की किल्लत से त्रस्त रहवासियों ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सड़क पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और पुरुषों ने खाली मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पार्षद के नेतृत्व में प्रदर्शन

विकास नगर स्थित पानी की टंकी के पास हुए इस प्रदर्शन का नेतृत्व क्षेत्रीय पार्षद सोनिला मिमरोट ने किया। बड़ी संख्या में रहवासी खाली मटके और बाल्टियां लेकर सड़क पर ही धरने पर बैठ गए, जिससे यातायात बाधित हुआ। प्रदर्शनकारियों ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ नारे लगाए। पार्षद और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इलाके में पिछले कई महीनों से पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन नगर निगम के अधिकारी शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि क्षेत्र के पानी को इंटरकनेक्शन के माध्यम से नेहरू नगर की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। इस बदलाव के कारण विकास नगर और आसपास के इलाकों में पानी का प्रेशर (दबाव) बेहद कम हो गया है। कई घरों में दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे बीमारी का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

सड़क पर उतरे लोगों ने मांग की है कि पानी की आपूर्ति तुरंत सुधारी जाए और इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। काफी देर तक चले इस हंगामे के कारण इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंचे पुलिस और निगम के कनिष्ठ अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा, जिसके बाद रहवासी शांत हुए। हालांकि, रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में युवक ने बहन के साथ मिलकर पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी

उरई : उत्तर प्रदेश में जालौन जिले की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुदरा करौदी में सोमवार की देर रात एक महिला की हत्या कर दी गई। महिला ननद के घर आई थी। यहां पर शराब पार्टी के बाद किसी बात को लेकर हुए झगड़े में पति ने अपनी बहन के साथ मिलकर पत्नी की हत्या कर दी।पुलिस ने हत्यारोपितों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) शैलेन्द्र बाजपेयी ने बताया कि मृतका की पहचान 45 वर्षीय बबली कुशवाहा उर्फ बबली देवी के रूप में हुई है, जो अपने रिश्तेदारी में ननद के घर आई हुई थी। सोमवार की रात को घर पर शराब पार्टी चल रही थी। इसी दौरान बबली देवी, उनके पति सुशील कुशवाहा और ननद चन्द्रकली के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट की नौबत आ गई। आरोप है कि इसी झगड़े के दौरान बबली देवी की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि घटना के बाद पति और उसकी बहन मौके से भागने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन गांव वालों ने उन्हें पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। जब ग्रामीण घर के अंदर पहुंचे तो बबली देवी का शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला। शव पर कई चोटों के निशान दिखाई दिए, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई। सूचना मिलते ही सीओ जालौन शैलेन्द्र बाजपेयी, कोतवाली प्रभारी और फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पति सुशील कुशवाहा और ननद चन्द्रकली शराब के नशे की हालत में मौके पर ही मिले थे। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सीओ ने बताया कि प्रथमदृष्टतया जांच में पारिवारिक विवाद के दौरान पति सुशील ने अपनी बहन चन्द्रकली के साथ मिलकर पत्नी बबली की हत्या की है।फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

दक्षिण बंगाल में आज से बढ़ेगी गर्मी और उमस, उत्तर बंगाल में बारिश जारी रहने के आसार

कोलकाता : दक्षिण बंगाल में कहीं-कहीं छिटपुट आंधी और बारिश की संभावना बनी रहने के बावजूद मंगलवार से गर्मी और उमस बढ़ने के संकेत हैं। वहीं, उत्तर बंगाल में अगले कुछ दिनों तक बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है। कुछ जिलों में भारी वर्षा की भी चेतावनी जारी की गई है। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार शनिवार तक कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के अधिकांश हिस्सों में आंधी-बारिश की संभावना कम रहेगी। हालांकि पुरुलिया, बांकुड़ा, पश्चिम बर्धमान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों में बुधवार और गुरुवार को कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश हो सकती है। इन इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका जताई गई है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटों में कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के तापमान में खास बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिससे गर्मी और उमस में इजाफा होगा। वहीं उत्तर बंगाल में फिलहाल तापमान स्थिर रहने की संभावना है। बुधवार और गुरुवार को दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार जिलों में सात से 11 सेंटीमीटर तक भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही आठ जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी और बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है।
मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार तक उत्तर बंगाल के आठों जिलों में आंधी-बारिश का असर बना रहेगा, जबकि शुक्रवार से मौसम में कुछ सुधार होने और बारिश की गतिविधियां कम होने की संभावना है।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रमुखों ने दिया इस्तीफा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार के सत्ता संभालने के बाद राज्य के शिक्षा विभाग में बड़े प्रशासनिक बदलाव शुरू हो गए हैं। मंगलवार को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग और पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रमुखों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राज्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले स्वायत्त निकाय पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। आयोग पिछले तृणमूल कांग्रेस शासनकाल में सामने आए बहुचर्चित स्कूल भर्ती घोटाले को लेकर लगातार विवादों में रहा है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष रामानुज गंगोपाध्याय ने भी पद छोड़ दिया। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का नाम भी शिक्षक भर्ती घोटाले में सामने आया था। बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमोय गंगोपाध्याय को इस मामले में जेल भी जाना पड़ा था। दोनों इस्तीफे ऐसे समय आए हैं, जब नई राज्य सरकार ने एक दिन पहले ही विभिन्न विभागों के अधीन बोर्ड, संगठन, गैर वैधानिक निकायों और सार्वजनिक उपक्रमों में नामित निदेशकों, सदस्यों तथा अध्यक्षों के कार्यकाल समाप्त करने का आदेश जारी किया था। सिद्धार्थ मजूमदार को वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था। उनका कार्यकाल जनवरी 2026 में समाप्त होना था, लेकिन पूर्व सरकार ने उन्हें विस्तार दे दिया था। शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार दोनों अधिकारियों के इस्तीफे राज्य के शिक्षा सचिव कार्यालय तक पहुंच चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस शासनकाल में शिक्षा विभाग सबसे अधिक भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर चर्चा में रहा। तत्कालीन शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व महासचिव पार्थ चटर्जी को स्कूल भर्ती मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने जुलाई 2022 में गिरफ्तार किया था। वह तीन वर्ष से अधिक समय जेल में बिताने के बाद फिलहाल जमानत पर हैं। इस बार पार्टी ने उन्हें दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया। मामले में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा समानांतर जांच की जा रही है। शिक्षा विभाग से जुड़े कई बोर्ड और स्वायत्त निकायों के प्रमुखों को भी जांच एजेंसियों ने गिरफ्तार किया था।
सूत्रों के अनुसार नई भारतीय जनता पार्टी सरकार शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से विभाग में लगातार प्रशासनिक कदम उठा रही है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 768.84 अंक टूटा

नई दिल्ली : हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर खुला। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट दिखी रही है। सेंसेक्स में 768 अंकों की गिरावट है, जबकि निफ्टी में 210 अंकों की गिरावट है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 768.84 अंक यानी 1.01 फीसदी की गिरावट के साथ 75,246.44 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 210.05 अंक यानी 0.88 फीसदी फिसलकर 23,605.80 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है।
विशेषज्ञों के अनुसार विदेशी फंड्स की लगातार हो रही निकासी और अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पर छाए संकट ने निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर दिया है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। वहीं, भारतीय मुद्रा रुपया आज शुरूआती कारोबार में 35 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 95.63 पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 1,313 अंक की गिरावट के साथ 76,015 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 360 अंक की गिरावट के साथ 23,815 पर बंद हुआ था।

मध्य प्रदेश में बढ़ा गर्मी का कहर, 6 जिलों में लू की चेतावनी, रतलाम फिर 45 डिग्री पर पहुंचा

भोपाल : मध्य प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर थमते ही भीषण गर्मी ने फिर से असर दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को रतलाम और झाबुआ समेत कई जिलों में लू का असर देखने को मिला। रतलाम में तापमान लगातार दूसरे दिन 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए उज्जैन, धार, आलीराजपुर, बड़वानी, रतलाम और झाबुआ में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में तेज गर्मी और लू का असर बना रहेगा। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। उज्जैन संभाग के रतलाम, नीमच और मंदसौर सबसे अधिक गर्म रह सकते हैं। वहीं भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर सहित प्रदेश के 49 जिलों में तेज गर्मी पड़ने के आसार हैं। अधिकांश जिलों में तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को इंदौर में इस सीजन का सबसे अधिक तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

अवैध बालू लदे 02 ट्रैक्टर जब्त

पांकी : अवैध बालू परिवहन के खिलाफ पिपराटांड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के ग्राम केल्हवा एवं गढ़गांव से अवैध रूप से बालू का परिवहन कर रहे 02 ट्रैक्टरों को जब्त किया है। जब्त ट्रैक्टर को खनन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कारवाई की जा रही है`

नरेंद्र सिंह मुंडा की जिंदगी संघर्षों से भरी रही, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी

संवाददाता : नरेंद्र की माता स्वर्गीय सुभद्रा देवी के निधन के बाद परिवार पर कई कठिनाइयाँ आईं। पिता पुष्कर मुंडा ने परिवार को संभालने की पूरी कोशिश की। एक छोटी बहन और एक भाई के साथ नरेंद्र ने कठिन परिस्थितियों में अपनी पढ़ाई जारी रखी।

गाँव के ही एक मेहमान परिवार ने नरेंद्र और उनके परिवार को अपने परिवार की तरह सहारा दिया, जिससे उनकी शिक्षा और जीवन को आगे बढ़ने का अवसर मिला। कठिन परिस्थितियों के बावजूद नरेंद्र पढ़ाई में हमेशा मेहनती रहे और इसी वर्ष 12वीं कक्षा में 69 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

पढ़ाई के साथ-साथ नरेंद्र की रुचि कला और पेंटिंग में भी रही। उनकी कला के प्रति लगन और मेहनत ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। लगभग दो वर्ष पहले उनकी मुलाकात नरेंद्र सिंह मुंडा से हुई ,इसके बाद से नरेंद्र लगातार उनके साथ रहकर सोहराय और पारंपरिक कला सीखते और पेंटिंग कार्यों में सहयोग करते आ रहे हैं। नरेंद्र कई कला कार्यशालाओं में भी भाग ले चुके हैं। वे कोलकाता, धनबाद और रांची जैसे शहरों में आयोजित पेंटिंग वर्कशॉप में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं।

उनकी मेहनत, अनुशासन और कला के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें अब एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। आर्टिस्ट विलेज चिरुडीह के ब्रांच के रूप में सिंदवारी गाँव को ह्लकला ग्रामह्व बनाने की जिम्मेदारी नरेंद्र सिंह मुंडा को दी गई है।

अब नरेंद्र का सपना है कि उनके गाँव के बच्चे और युवा भी कला के माध्यम से अपनी पहचान बनाएं और गाँव की पारंपरिक संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुँचाएं। संघर्षों से निकलकर कला के रास्ते समाज में बदलाव लाने की यह कहानी आज कई युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक हुआ घायल, गया रेफर

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हंटरगंज-कौलेश्वरी मुख्य पथ पर जीरामणि कॉलेज के समीप रविवार देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल युवक पहचान खूंटीकेवाल निवासी जयराम मांझी 28 वर्षीय के रूप में हुई है। सड़क दुर्घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जयराम इतवार बाजार कोबना से अपने घर पैदल लौट था। इसी दौरान पीछे की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने उसे चपेट में ले लिया जिससे युवक सड़क किनारे जा गिरा,और गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं युवक खून से लथपत सड़क के किनारे तड़प रहा था। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी हंटरगंज थाना पुलिस को दी सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल को उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत उसे बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि इस घटना में जयराम के सिर में गंभीर चोट लगी है। दुर्घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक भागने में सफल रहा। वहीं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से बेलगाम रफ्तार में सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की गति सीमा पर अंकुश लगाने की मांग की है।

देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

चतरा : जिले के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के तुलतुलिया डाहा गांव के पास से पुलिस ने अपराध की योजना बनाते दो अपराधियों को एक देशी कट्टा,दो जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। जिला मुख्यालय स्थित डीएसपी(मु) कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी अमिता लकड़ा ने बताया कि पुलिस को रविवार की देर शाम गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के तुलतुलिया डाहा के पास सडक के किनारे तीन चार युवक देसी कट्टा के साथ दंतार हाट बाजार से विक्रय कर वापस जाने वाले व्यापारियों एवं दुकानदारों से लूट-पाट करने की योजना बना रहे हैं। सुचना के आधार पर गश्ती दल एवं केडिमो पिकेट के एसएसबी बल के संयुक्त रुप छापामारी में लूट पाट की योजना बनाते दो व्यक्ति को देशी कट्टा, जिन्दा कारतुस एवं दो मोटरसाईकल के साथ पकडा गया। वहीं दो अन्य व्यक्ति जंगल का फायदा उठाकर भाग गए। गिरफ्तार अपराधियों में कुंदा थाना क्षेत्र के कुसुंभा गांव के संस्कृत कुमार एवं राजू कुमार यादव का नाम शामिल है। इस संबंध में ब० नगर थाना कांड सं0-83/2026 दिं0- 10.03.2026 धारा-25(1-बी)ए/26 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है। साथ ही फरार अभियुक्तों के गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।

24 घंटे में मिला लापता बच्चा

चतरा : जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव से लापता हुए 12 वर्षीय बच्चे को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर बिहार के बोधगया से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की इस त्वरित और मानवीय कार्रवाई की इलाके में जमकर सराहना हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार शंकरपुर निवासी बीरेंद्र साव ने 10 मई को प्रतापपुर थाना पहुंचकर आवेदन दिया था कि उनका पुत्र अनमोल कुमार सुबह करीब चार बजे घर से कहीं निकल गया और वापस नहीं लौटा। परिवार के स्तर पर काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्चे का पता नहीं चला तो परिजन परेशान हो उठे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत प्रतापपुर थाना सनहा संख्या 07/26 दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने बच्चे की तस्वीर और जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित की गई तथा सीमावर्ती थानों को भी सतर्क किया गया। पुलिस लगातार बच्चे की तलाश में जुटी रही। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बच्चा भटकते हुए बिहार के बोधगया पहुंच गया है। सूचना मिलते ही प्रतापपुर पुलिस ने बिहार पुलिस से समन्वय स्थापित किया और संयुक्त कार्रवाई करते हुए बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। बताया गया कि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। बरामदगी के बाद पुलिस ने बच्चे को उसके परिजनों को सुरक्षित सौंप दिया। बेटे को सकुशल वापस पाकर परिवार के लोगों की आंखें भर आईं। परिजनों ने चतरा पुलिस और बिहार पुलिस का आभार जताया।थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने कहा कि किसी भी गुमशुदगी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाती है और आम लोगों से भी अपील की गई कि ऐसे मामलों में बिना देर किए पुलिस को सूचना दें।

राजा तालाब के पास मचान टूटने से एक मजदूर की मौत, एक अन्य गंभीर रूप से घायल

परिजनों ने मृत मजदूर का नहीं करवाया पोस्टमार्टम, शव लेकर हुए फरार

संवाददाता

चतरा : शहर के राजा तालाब के समीप एक निमार्णाधीन मकान में काम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के मोहनाडीह गांव के दो मजदूर राजा तालाब स्थित सुमित जायसवाल नामक व्यक्ति के मकान में निर्माण कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मचान टूट गया, जिससे दोनों मजदूर नीचे गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद एक मजदूर संजू भुइया (35 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि गंभीर चोट लगने के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं दूसरे मजदूर संजय दास (40 वर्ष) की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही दोनों मजदूरों के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, जहां परिवार के

सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था। अस्पताल परिसर में काफी देर तक मातमी माहौल बना रहा। वहीं एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही मृत मजदूर का शव लेकर चले गए। इस पूरे घटनाक्रम में शहर के एक प्रतिष्ठित कपड़ा दुकान के मालिक की संदिग्ध भूमिका भी सामने आ रही है। इस संबंध में सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि अभी तक उनके संज्ञान में मामला नहीं आया है और न ही किसी ने कोई आवेदन दिया है।

क्या कहते हैं सिविल सर्जन

वहीं दूसरी ओर चतरा अस्पताल के सिविल सर्जन सत्येंद्र प्रसाद सिंहा ने बताया कि इस संबंध में पुलिस को जानकारी दी गई थी। इस पूरे घटनाक्रम में मामला विवादित हो गया है। एक ओर जहां अस्पताल पुलिस विभाग को जानकारी उपलब्ध करवाने की बात कह रही है। वहीं पुलिस इससे इंकार कर रही है। बहरहाल इस पूरे प्रकरण में एक बात तो स्पष्ट दिख रही है कि मामले में निमार्णाधीन मकान के मालिक को बचाने का जुगत लगा दिया गया है।

नवनियुक्त एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला का बुद्धिजीवियों ने किया स्वागत

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद अनुमंडल के नवनियुक्त एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला का सोमवार को क्षेत्र के बुद्धिजीवियों एवं सामाजिक लोगों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर कामख्या नारायण पाठक, जय प्रकाश उपाध्याय समेत कई गणमान्य लोगों ने उन्हें अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान क्षेत्र की वर्तमान कानून-व्यवस्था, बढ़ती आपराधिक घटनाओं तथा आम जनता की सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बुद्धिजीवियों ने एसडीपीओ से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने, अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त कदम उठाने तथा आम लोगों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि दिव्यांश शुक्ला पूर्व में हैदरनगर थाना में प्रशिक्षु पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उस समय उनका कार्य व्यवहार और कार्यशैली काफी सराहनीय रही थी। लोगों ने उम्मीद जताई कि एसडीपीओ के रूप में भी उनका कार्यकाल क्षेत्र के लिए बेहतर और प्रभावशाली साबित होगा।

वहीं एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आम जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी तथा अपराध और असामाजिक तत्वों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा।

सड़क और साइबर सुरक्षा के मापदंडों का पालन आवश्यक : सचिव

ज्योति पाठक

चाईबासा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए पश्चिम सिंहभूम मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में प्राधिकार के तत्वावधान में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के अंतर्गत लीगल लिटरेसी संत जेवियर्स विद्यालयमें विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें बाल श्रम और बाल सुरक्षा संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की, उन्होंने बताया कि कम उम्र के बच्चों को श्रम संबंधित कार्यों में नियोजित करना न सिर्फ सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है बल्कि यह कानूनन अपराध भी है, ऐसे में उनका स्वाभाविक विकास बाधित होता है और वह मानसिक रूप से भी तैयार नहीं होते और उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, अभी पढ़ने लिखने की और उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए अध्ययन पर ध्यान देने का उचित समय होता है, अतः ऐसी सामाजिक बुराइयों से बचना चाहिए, यदि माता-पिता नियोजक या अभिभावक ऐसा करने को बाध्य करते हैं तो उन्हें समझाना चाहिए ऐसा करने पर यह दंडनीय अपराध है. उन्होंने बाल मानव तस्करी के विषय में बताते हुए सचेत किया कि बड़े शहरों में काम मिलने का लोक लुभावना आडंबर दिखाकर बाल तस्कर या मानव तस्कर लोगों को प्रभावित करते हैं परंतु ज्यादातर उसकी सच्चाई इसके उलट होती है और बड़े शहरों में उनका न सिर्फ शारीरिक और. मानसिक शोषण होता है बल्कि आर्थिक रूप से भी उन्हें कोई लाभ नहीं मिल पाता, ऐसे प्रलोभनों के प्रति सावधान रहना चाहिए और यदि कोई ऐसा करे तो उसके विरुद्ध डालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर या चाइल्डलाइन 1098 और पुलिस 100 या 112 पर इसकी सूचना दी जा सकती है, प्राधिकार का सदैव प्रयास होता है कि ऐसे अप्रिय स्थिति को उत्पन्न होने से पहले ही जन जागरूकता के माध्यम से समाप्त किया जा सके. विद्यालय में उन्होंने बालको को बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं से प्रति आगाह करते हुए ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया, इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक सिगनलों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सड़क के किनारे लगाए गए ऐसे चिन्ह राहगिरो की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत होते हैं जिसका अनुपालन अवश्य करना चाहिए सड़क में की गई सुरक्षा न सिर्फ आपको बल्कि दूसरों के लिए भी सुरक्षित वातावरण का निर्माण करती है उन्होंने विद्यालय की शिक्षिकाओं को भी इन अभियान की और प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की और किसी भी समस्या के लिए प्राधिकार के कार्यालय में संपर्क करने का सलाह प्रदान किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक सहित अधिकार मित्र अलकमा रूही अरुण विश्वकर्मा और असीमा चैटर्जी भी उपस्थित थीं।

समन्वय समिति में मनोनयन पर हृदयानंद मिश्र सम्मानित

संवाददाता

पलामू : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की समन्वय समिति में सदस्य मनोनीत किए जाने पर झारखंड हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री हृदयानंद मिश्र, एडवोकेट को आज उनके आवास पर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पलामू जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव श्री रविन्द्र नाथ तिवारी ह्यगांधीह्व तथा पूर्व उपाध्यक्ष श्री सुरेश पाठक ने श्री मिश्र को शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया और उनके दीर्घ राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना की।

सम्मान ग्रहण करने के पश्चात श्री हृदयानंद मिश्र ने दोनों नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन ने सदैव उन्हें

स्नेह, सम्मान और जिम्मेदारी प्रदान की है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते रहेंगे।

इस अवसर पर श्री रविन्द्र नाथ तिवारी ह्यगांधीह्व एवं श्री सुरेश पाठक ने संयुक्त रूप से कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति में श्री हृदयानंद मिश्र को स्थान दिया जाना एक बुद्धिजीवी, झारखंड आंदोलनकारी तथा जनप्रिय नेता के लंबे संघर्ष एवं योगदान का सम्मान है। उन्होंने कहा कि श्री मिश्र ने छात्र राजनीति से लेकर कांग्रेस संगठन तक अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए एन.एस.यू.आई. बिहार के महासचिव, पलामू जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव तथा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी में लंबे समय तक सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में उल्लेखनीय कार्य किया है।

नेता द्वय ने कहा कि विगत पांच दशकों से पलामू प्रमंडल में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में श्री मिश्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने सैकड़ों लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का कार्य किया, जिनमें अनेक कार्यकर्ता आगे चलकर विधानसभा चुनाव तक लड़े।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री मिश्र की निस्वार्थ सेवा, अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता से कांग्रेस को नई ऊर्जा और नई दिशा प्राप्त होगी।

जमशेदपुर में 54 फीसदी बुजुर्ग साइबर ठगी के शिकार

जमशेदपुर : शहर में साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। चिंताजनक बात यह है कि साइबर अपराधियों के निशाने पर अब सबसे ज्यादा बुजुर्ग और रिटायर कर्मचारी हैं। पुलिस के आंकड़ों और साइबर सेल में पहुंच रही शिकायतों के अनुसार, साइबर ठगी के कुल मामलों में करीब 54 फीसदी पीड़ित वरिष्ठ नागरिक हैं। हर दिन औसतन पांच नए मामले सामने आ रहे हैं। एक साल में करीब 600 छोटे-बड़े साइबर ठगी के मामले दर्ज किए गए, इनमें करीब 324 मामलों में बजुर्गों को शिकार बनाया गया। साइबर अपराधी खुद को सीबीआई, पुलिस, बैंक अधिकारी या टेलीकॉम कंपनी का कर्मचारी बताकर लोगों को झांसे में ले रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजना, केवाईसी अपडेट और बैंक खाता बंद होने का डर दिखाकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी की जा रही है। वहीं, देशभर में भी ऐसे मामलों में तेजी आई है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आईफोरसी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में देश में साइबर ठगी के 28 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि बुजुर्ग आसानी से ठगों की बातों पर भरोसा कर लेते हैं। हाल में कई राज्यों में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वरिष्ठ नागरिकों से करोड़ों रुपये की ठगी के मामले सामने आए हैं। झारखंड पुलिस के आंकड़ों में भी शीर्ष डिजिटल अरेस्ट मामलों में अधिकांश पीड़ित बुजुर्ग पाए गए।

मदरसा अरबिया तजवीदुल कुरआन हुसीर कांके का 13वां भव्य दस्तारबंदी जलसा संपन्न

उर्दू तालीम और दीन की रौशनी पर उलमा ने दिया जोर, 15 हुफ्फाज की हुई दस्तारबंदी

संवाददाता

रांची/हुसीर : मदरसा अरबिया तजवीदुल कुरआन हुसीर कांके रांची का 13वां भव्य जलसा-ए-दस्तारबंदी अकीदत और शानो-शौकत के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। जलसे में 15 हाफिज-ए-कुरआन के सिर पर दस्तार-ए-फजीलत बांधी गई। देश के नामचीन उलमा-ए-कराम की मौजूदगी में पूरा माहौल दीनि और रूहानी रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफिज व कारी मोहम्मद उस्मान रशीदी ने की, जबकि सरपरस्ती मौलाना कारी अशरफुल हक मजाहिरी ने की। मंच संचालन मौलाना कारी बाबर अशरफी ने किया। आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत हजरत मौलाना नैय्यर इकबाल और हुसीर अंजुमन ने किया।

मुख्य अतिथि मौलाना अबूतालिब रहमानी ने अपने संबोधन में उर्दू तालीम और इल्म की अहमियत पर विस्तार से रोशनी डालते

हुए कहा कि ह्लशिक्षा एक ऐसी रौशनी है जिसे मुश्किलों की आंधियां कुछ वक्त के लिए कमजोर जरूर कर सकती हैं, लेकिन यह रौशनी फिर पहले से ज्यादा तेज होकर समाज को रोशन करती है। इल्म इंसान को अंधेरों से निकालकर कामयाबी की राह दिखाता है।ह्व उन्होंने बच्चों को दीनि और दुनियावी तालीम से जोड़ने पर जोर दिया।

विशेष संबोधन में मौलाना मुफ़्ती अशरफ अब्बास कासमी ने कहा कि मदरसे समाज में इल्म, अखलाक और इंसानियत की बुनियाद को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने हाफिज-ए-कुरआन बनने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों को मुबारकबाद दी।

बारिश और खराब मौसम के बावजूद नौजवानों का हौसला बुलंद रहा। लगातार बारिश के बीच भी युवाओं ने पूरी मेहनत और लगन के साथ कार्यक्रम की जिम्मेदारियां निभाईं। मौलाना नैय्यर इकबाल और हुसीर अंजुमन के अध्यक्ष सुलैमान अंसारी, नसीम, नेसार ने कहा कि इन्हीं नौजवानों की मेहनत और जज्बे की बदौलत जलसा पूरी तरह कामयाब रहा और कार्यक्रम शानदार अंदाज में संपन्न हुआ। इस मौके पर कारी सोहराब, हाफिज अली इमाम, मौलाना अशरफ, कारी जफर, मुफ्ती हिफजुर्रहमान, मौलाना उजैर, मौलाना मोहम्मद अकरम कासमी समेत कई उलमा-ए-कराम मौजूद रहे। नातख़्वानी शबान दिल खैराबादी और असद आजमी ने पेश की, जिसे लोगों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजुमन हुसीर के अध्यक्ष सुलैमान अंसारी, सचिव नेसार एवं नसीम अंसारी, कोषाध्यक्ष शफीउल्लाह, इकरामुल हक, सरफराज, हाजी आबिद गागी, मोबीन, रकीब, इमरोज आलम, अकील अजहर, तौसीफ अंसारी, सरफराज अंसारी, अकरम अंसारी, अकबर, सद्दाम, सलमान, इरफान अंसारी, इरफान, नसीम, जुल्फान, हिदायत, शादाब, निजामुद्दीन, आरिफ, सादिक, तारीक, जिकरुल्लाह, शहीद, मुनाज, मुफीद, सलामत, वाजिद, इश्तियाक, रमजान, कैसर, रहमान, अदनान, वकील, नसीम अंसारी, शोएब अंसारी, आसिफ, तौकीर, नुरुल्लाह, रिजवान, अनस, हसन, वसीम, हैदर, साजिद, महताब और साकिब समेत कई नौजवानों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम रोल अदा किया।